मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, बुधवार, 15 जुलाई 2026

संवत 2083, अषाढ़ शुक्ल प्रतिपद मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 301, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

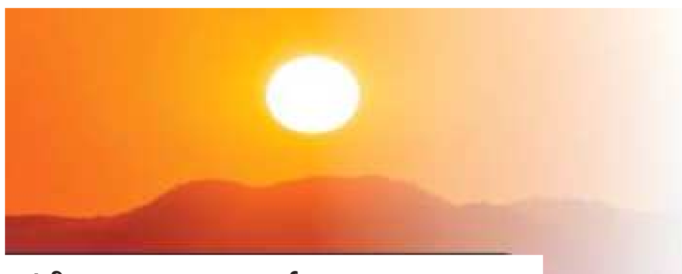

4 ▸▸ हिन्दू धर्म आधारित संस्कारों की शिक्षा पर न्यायिक मुहर

सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई पैपराज को फटकार ◂◂ 6

मनी लॉन्ड्रिंग केस : अमर मंडल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर हाईकोर्ट की रोक जारी

संवाददाता

रांची : मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपी अमर मंडल की याचिका पर बुधवार को झारखंड हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट ने ईडी से जवाब मांगा है। पूछा है कि पीएमएलए के सेक्शन 66(2) के तहत संबंधित एजेंसी को सूचित करने की कार्रवाई हुई है या नहीं?

कोर्ट ने अमर मंडल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर रोक जारी रखी है। मामले की सुनवाई अब दो सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। ईडी की ओर से वरीय अधिवक्ता अमित कुमार दास और अधिवक्ता सौरव कुमार ने पक्ष रखा।

बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अमर मंडल के खिलाफ ईडी द्वारा दर्ज केस पर आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने कहा था कि इस मामले में ईडी की ओर से आगे की कार्रवाई अगले आदेश तक नहीं की जाएगी। दरअसल, प्रार्थी ने हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट दाखिल कर ईडी में दर्ज केस को निरस्त करने का आग्रह किया है। साथ ही हस्तक्षेप याचिका (आईए) दाखिल कर कहा है कि जिस मूल केस के आधार पर ईडी ने उनके खिलाफ एउक्फ़केस दर्ज किया है, उसमें वह बरी हो चुके हैं।

दलील दी गई है कि जब मूल केस में ही वह बरी हो गए हैं तो उनके खिलाफ ईडी में दर्ज केस नहीं चलाया जा सकता। उनकी ओर से कहा गया कि प्रिडिकेट ऑफिंस में जब वे बरी हो गए हैं तो ईडी के केस में कार्रवाई आगे नहीं बढ़नी चाहिए।

प्रार्थी की ओर से अदालत में सुप्रीम कोर्ट के विजय मदनलाल चौधरी केस का भी हवाला दिया गया। यह भी कहा गया कि अमर मंडल के खिलाफ पोरैयाहाट कांड संख्या 7 /2019 दर्ज है, जिसमें वह बरी हो चुका है। इसी के आधार पर ईडी ने ईसीआईआर दर्ज किया है।

अवैध वाहन नीलामी मामले में सुनवाई पूरी, हाईकोर्ट ने आदेश रखा सुरक्षित

रांचीः झारखंड में खनन कानूनों के तहत प्रशासनिक शक्तियों के कथित दुरुपयोग से संबंधित अशोक सिंह की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि नीलामी की गई गाड़ी वापस ले ली गई है, याचिकाकर्ता को उसकी गाड़ी वापस लेने के लिए नोटिस किया गया, लेकिन वह अभी तक नहीं आए।

कोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया। राज्य सरकार की ओर से अपर महाधिवक्ता आशुतोष आनंद और अधिवक्ता शाहबाज अख्तर ने पक्ष रखा। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस सोनक एवं न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ में सुनवाई हुई।

पिछली सुनवाई में कोर्ट ने सरकार को एक माह का समय प्रदान करते हुए मुख्य सचिव को भी इस मामले को देखने को कहा था। इस मामले में पूर्व में लातेहार के तत्कालीन उपायुक्त भोर सिंह यादव वर्चुअल रूप से कोर्ट के समक्ष उपस्थित हुए थे। कोर्ट ने उनसे मौखिक कहा था कि आपके कारण जो समस्या पैदा हुई है, उसका निदान क्यों अब तक नहीं निकला?

अवैध खनन के परिवहन में पकड़े गए वाहन की जब्ती के बाद जल्दीबाजी में उसकी नीलामी कर उसे तीसरे पक्ष को हस्तांतरित कर दिया गया। जबकि इससे संबंधित मामले में रिवीजन याचिका लंबित है। प्रार्थी को उस मौका दिए बिना उनके वाहन की नीलामी का बेचने में जल्द क्यों कर दी गई? सुनवाई के दौरान लातेहार के उपायुक्त संदीप कुमार कोर्ट में उपस्थित हुए थे।

बता दें कि प्रार्थी का हाईवा गया जिला से चोरी हो गया है, जहां उन्होंने इसे लेकर प्राथमिकी भी दर्ज कराई थी। बाद में यह हाईवा अवैध माइनिंग के परिवहन के दौरान बालूमाथ में पकड़ा गया था। लातेहार के तत्कालीन डीसी भोर सिंह यादव ने उस पकड़े गए हाईवा की जब्ती कर जल्दीबाजी में नीलामी की प्रक्रिया शुरू की और उसे किसी तीसरे पक्ष को वाहन को काफी सस्ते मूल्य पर बेच दिया है।

अमेरिकी हमले से ईरान में भारी तबाही

30 से अधिक मौतें, 260 से ज्यादा घायल

नई दिल्ली/ एजेंसीः अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हवाई हमलों से इस्लामिक गणराज्य में भारी तबाही हुई है। ईरानी सरकार की प्रवक्ता फातेमेह मोहाजेरानी ने बुधवार को बताया कि ईरान पर अमेरिका द्वारा किए गए हवाई हमलों में हाल के दिनों में 30 से अधिक लोगों की मौत हुई है। हालांकि, फातेमेह मोहाजेरानी ने यह साफ नहीं किया कि उन्होंने 30 से अधिक मौतों का आंकड़ा किस अवधि के दौरान का दिया है। ईरान की सरकार की तरफ से यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता ने बताया कि रातभर हुए अमेरिकी हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं।

अमेरिकी हमले में दक्षिण-पूर्वी ईरान में सात सैनिकों की मौत : ईरानी सेना ने कहा है कि इरानशहर के बम्पूर गैरीसन पर हुए अमेरिकी हमले में उसके सात सैनिकों की मौत हुई है। साथ ही ईरानी सेना ने कहा कि सही समय आने पर इस हमले का निर्णायक जवाब दिया जाएगा। सेना ने इस हमले को कायरतापूर्ण आक्रामकता करार दिया है। सेना के मुताबिक, अमेरिकी सेना ने बम्पूर स्थित सैन्य बैरक पर 13 मिसाइलें दागीं। इस हमले में 388वीं ब्रिगेड के सात सैनिकों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। ईरानी सेना ने दावा किया कि 'निष्क्रिय रक्षा उपायों' की वजह से जनहानि को सीमित रखने में मदद मिली। सेना का आरोप है कि अमेरिकी हमलों का उद्देश्य अधिकतम जनहानि पहुंचाना था। इसके तहत सैन्य अड्डे के गेस्ट हाउस, सुरक्षा चौकियों और आवासीय सुविधाओं को निशाना बनाया गया।

अमेरिकी हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल : ईरान पर अमेरिका द्वारा रातभर किए गए ताजा हवाई हमलों में 260 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यह जानकारी ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने बुधवार को दी। हाल के दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव के दौरान हुए किसी भी अन्य हमले की तुलना में इस बार घायलों की संख्या कहीं अधिक बताई गई है। दोनों देशों के बीच फारस की खाड़ी के प्रवेश द्वार माने जाने वाले होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर तनाव बना हुआ है। दुनिया में समुद्री मार्ग से होने वाले तेल और प्राकृतिक गैस के कारोबार का बड़ा हिस्सा इसी रणनीतिक जलमार्ग से होकर गुजरता है।

राम मंदिर का सीईओ बनने की होड़, 24 घंटे में 1000 से ज्यादा आवेदन

- रिटायर्ड अफसरों में सबसे ज्यादा उत्साह
- आवेदन की अंतिम तिथि 18 जुलाई

अयोध्या : श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाने के बाद देशभर से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। भर्ती प्रक्रिया शुरू होने के महज 24 घंटे के भीतर ही इस पद के लिए 1,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या सेवानिवृत्त आईएएस, आईपीएस और अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की बताई जा रही है।

राम मंदिर ट्रस्ट ने नए सीईओ के चयन के लिए तीन सदस्यीय सर्च कमेटी का गठन किया है। भर्ती का नोटिफिकेशन जारी होते ही समिति के आधिकारिक ई-मेल पर बड़ी संख्या में आवेदन आने शुरू हो गए। आवेदन की अंतिम तिथि 18 जुलाई निर्धारित की गई है। माना जा रहा है कि तब तक आवेदनों की संख्या कई हजार तक पहुंच सकती है।

उम्मीद से कहीं अधिक आवेदन मिलने के कारण सर्च कमेटी के सामने चयन प्रक्रिया को पारदर्शी और व्यवस्थित ढंग से पूरा करने की चुनौती है। इसके लिए समिति आवेदनों की प्रारंभिक जांच और पात्रता की समीक्षा हेतु एक सचिव नियुक्त करेगी।

सर्च कमेटी की 19 जुलाई को अहम बैठक प्रस्तावित है, जिसमें प्राप्त आवेदनों की समीक्षा और आगे की चयन प्रक्रिया पर फैसला लिया जाएगा। प्रारंभिक छंटनी के बाद योग्य उम्मीदवारों को व्यक्तिगत साक्षात्कार (पर्सनल इंटरव्यू) के लिए बुलाया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर ऑनलाइन इंटरव्यू का विकल्प भी अपनाया जा सकता है। वहीं, 22 जुलाई को होने वाली ट्रस्ट की बैठक में सर्च कमेटी अपनी प्रगति रिपोर्ट पेश कर सकती है।

इस बीच उत्तर प्रदेश के पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने भी राम मंदिर के सीईओ पद के लिए आवेदन करने की पुष्टि की है।

तीन सदस्यीय सर्च कमेटी करेगी चयनः नए सीईओ के चयन की जिम्मेदारी सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश जस्टिस प्रमोद कोहली, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) विष्णुकांत चतुर्वेदी और वरिष्ठ वैज्ञानिक सुरेश हावड़े की तीन सदस्यीय सर्च कमेटी को सौंपी गई है।

योग्यता और शर्तें : राम मंदिर ट्रस्ट ने इस पद के लिए कड़े मानदंड तय किए हैं। आवेदक की आयु 50 से 70 वर्ष के बीच होनी चाहिए। साथ ही उसके पास कम से कम 20 वर्ष का प्रशासनिक अनुभव होना जरूरी है। चयनित उम्मीदवार को अयोध्या में स्थायी रूप से निवास करने के लिए तैयार रहना होगा।

इसके अलावा आवेदक का आस्थावान हिंदू होना तथा हिंदी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं का अच्छा ज्ञान होना भी अनिवार्य शर्तों में शामिल है।

सुप्रीम कोर्ट ने पटना हाई कोर्ट के विवादित फैसले पर जताई कड़ी नाराजगी, कहा—

यौन अपराधों के मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता जरूरी

ब्रेस्ट दबाना रेप की कोशिश नहीं

नई दिल्ली/पटना : पटना हाई कोर्ट के एक हालिया फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि यौन अपराधों से जुड़े मामलों में न्यायिक संवेदनशीलता और कानूनी समझ बेहद आवश्यक है। शीर्ष अदालत ने टिप्पणी की कि ऐसे मामलों में फैसला सुनाने से पहले न्यायाधीशों को पर्याप्त शोध और स्थापित कानूनी सिद्धांतों का ध्यान रखना चाहिए।

मंगलवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष यह मामला उठाया गया। सुनवाई के दौरान अदालत ने उस टिप्पणी पर गंभीर आपत्ति जताई, जिसमें पटना हाई कोर्ट ने कहा था कि महिला की सलवार उतारने की कोशिश करना और उसकी छाती दबाना बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि महिलाओं से जुड़े मामलों में अदालतों को विशेष संवेदनशीलता बरतनी चाहिए और ऐसी टिप्पणियों से बचना चाहिए जो न्यायिक दृष्टिकोण पर सवाल खड़े करें। सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी की उस रिपोर्ट का भी उल्लेख किया, जो न्यायिक संवेदनशीलता को लेकर तैयार की गई है। अदालत ने निर्देश दिया कि यौन अपराधों से संबंधित इस रिपोर्ट को सभी उच्च न्यायालयों की वेबसाइटों पर तत्काल अपलोड किया जाए, ताकि न्यायिक अधिकारियों को निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित कराया जा सके।

इलाहाबाद हाई कोर्ट के पुराने फैसले का भी हुआ उल्लेखः सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता शोभा गुप्ता ने अदालत का ध्यान इस ओर दिलाया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा पूर्व में जारी निर्देशों के बावजूद 9 जुलाई को पटना हाई कोर्ट ने इसी तरह का आदेश पारित किया। उन्होंने याद दिलाया कि मार्च 2025 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने भी एक मामले में नाबालिग लड़की का पायजामा खोलने और उसकी छाती दबाने की घटना को बलात्कार का प्रयास नहीं माना था। उस फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया था।

इस पर मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायपालिका के लिए तैयार विशेष हैंडबुक और दिशा- निर्देशों का प्रभावी अनुपालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सभी उच्च न्यायालयों और अधीनस्थ अदालतों को इन दिशानिर्देशों का पालन करना अनिवार्य है। साथ ही राज्य सरकारों को भी निर्देश दिए जाएं कि पुलिस एफआईआर दर्ज करने और चार्जशीट दाखिल करते समय इन मानकों का पालन करे।

क्या है पटना हाई कोर्ट का मामला? : विवाद की शुरूआत 9 जुलाई को पटना हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति पूर्णेंदु सिंह के फैसले से हुई। उन्होंने वर्ष 2008 के एक मामले में आरोपी की बलात्कार के प्रयास की सजा रद्द करते हुए कहा कि महिला की सलवार उतारने का प्रयास करना और उसकी छाती दबाना उसकी शालीनता भंग करने का अपराध तो हो सकता है, लेकिन इसे कानूनन बलात्कार का प्रयास नहीं माना जा सकता।

भारत- यूके व्यापार समझौता आज से लागू, 99% भारतीय निर्यात को मिलेगी शुल्क-मुक्त पहुंच

नई दिल्ली : भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौता (सीईटीए) बुधवार से लागू हो गया। इसे हाल के वर्षों में भारत के सबसे बड़े और व्यापक मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) में से एक माना जा रहा है। सरकार का दावा है कि इस समझौते से किसानों, श्रमिकों, एमएसएमई, निर्यातकों, स्टार्टअप और सेवा क्षेत्र को बड़ा लाभ मिलेगा, जबकि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के कार्यकाल में लागू होने वाला यह छठा मुक्त व्यापार समझौता है। इससे पहले भारत मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया, यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (ईएफटीए) और ओमान के साथ ऐसे समझौते लागू कर चुका है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, सीईटीए केवल आयात-निर्यात शुल्क घटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यापार, निवेश, सेवाओं और रोजगार के नए अवसरों का व्यापक ढांचा तैयार करेगा। इससे टैरिफ और गैर-टैरिफ बाधाएं कम होंगी तथा भारतीय उद्योगों की वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी।

समझौते के तहत भारत के लगभग 99 प्रतिशत निर्यात को ब्रिटेन के बाजार में शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। वहीं, ब्रिटेन से आयात होने वाले कई उत्पादों पर सीमा शुल्क कम होने से उनकी कीमतों में भी कमी आने की संभावना है।

इसके अलावा पहली बार ब्रिटेन की कंपनियां भारत सरकार की करीब 40 हजार उच्च मूल्य वाली सरकारी निविदाओं में भाग ले सकेंगी। इससे परिवहन, हरित ऊर्जा और बुनियादी ढांचा जैसे क्षेत्रों में निवेश और प्रतिस्पर्धा बढ़ने की उम्मीद है।

सीईटीए में कुल 30 अध्याय शामिल हैं, जिनमें डिजिटल व्यापार, सरकारी खरीद, एमएसएमई, निवेश, बौद्धिक संपदा, श्रम, पर्यावरण और सेवा क्षेत्र से जुड़े नियमों को सरल बनाया गया है। इसे भारत का अब तक का सबसे व्यापक मुक्त व्यापार समझौता माना जा रहा है।

समझौते के तहत स्कॉच व्हिस्की पर मौजूदा 150 प्रतिशत आयात शुल्क पहले चरण में घटाकर 75 प्रतिशत किया जाएगा, जबकि अगले 10 वर्षों में यह 40 प्रतिशत रह जाएगा।

ब्रिटेन में बनी पूरी तरह तैयार कारों पर भी पहली बार इतनी बड़ी सीमा शुल्क रियायत दी गई है। इन कारों पर आयात शुल्क 110 प्रतिशत से घटाकर चरणबद्ध तरीके से 10 प्रतिशत किया जाएगा। पेट्रोल और डीजल कारों को शुरूआत से ही रियायत मिलेगी, जबकि इलेक्ट्रिक, हाइब्रिड और हाइड्रोजन वाहनों को छठे वर्ष से लाभ मिलेगा, ताकि शुरूआती पांच वर्षों तक भारतीय ईवी उद्योग को सुरक्षा मिल सके।

पहले 15 वर्षों में रियायती शुल्क पर 3.78 लाख ब्रिटिश यात्री वाहनों के आयात की अनुमति होगी। वहीं ट्रकों पर आयात शुल्क 44 प्रतिशत से घटकर पांचवें वर्ष तक 8।8 प्रतिशत रह जाएगा।

भारत ने सेब, अखरोट, व्हे, कुछ बीज, सोने की ईंटों और स्मार्टफोन जैसे संवेदनशील उत्पादों पर कोई शुल्क रियायत नहीं दी है। वहीं ब्रिटेन ने भी चावल, चीनी और कुछ मांस उत्पादों को इस समझौते के दायरे से बाहर रखा है।

समझौते के साथ लागू हुए डबल कंट्रीब्यूशन कन्वेंशन के तहत भारत से ब्रिटेन जाने वाले कर्मचारियों और उनके नियोक्ताओं को पांच वर्षों तक ब्रिटेन में सोशल सिक्योरिटी योगदान नहीं देना होगा। इससे भारतीय पेशेवरों और कंपनियों की लागत में कमी आएगी।

इस समझौते से रेडीमेड गारमेंट, टेक्सटाइल, फुटवियर, कालीन, प्रोसेस्ड फूड, अनाज, फल-सब्जियां, मसाले, मछली एवं समुद्री उत्पाद, ऑटोमोबाइल, ऑटो पार्ट्स, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, सिरेमिक, ग्लास, सीमेंट और स्टोन उद्योगों को बड़ा फायदा मिलने की उम्मीद है।

वहीं स्कॉच व्हिस्की, सैल्मन मछली, लैम्ब (भेड़ का मांस), मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, चॉकलेट, सॉफ्ट ड्रिंक्स, कॉस्मेटिक्स, साबुन, परफ्यूम, शेविंग क्रीम और नेल पॉलिश जैसे कई आयातित उत्पाद आने वाले समय में सस्ते हो सकते हैं।

बर्थडे के बहाने लोहरदगा की नाबालिग से रांची में दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

पहले दोस्ती की फिर प्रेम जाल में फंसाया

संवाददाता

लोहरदगाः जिले में एक नाबालिग से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। नाबालिग रांची में रहकर पढ़ाई कर रही थी। जहां इस घटना को अंजाम दिया गया है। इस घटना का आरोप नाबालिग के प्रेमी पर लगा है। मामले को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों एक ही सेंटर में कर रहे थे तैयारीः बताया जाता है कि जिले के शहरी क्षेत्र की रहने वाली एक नाबालिग रांची में रहकर पढ़ाई कर रही थी। वह एयर होस्टेस की तैयारी कर रही थी। इसी बीच उसकी दोस्ती रामगढ़ जिला के चितरपुर के रहने वाले एक युवक से हुई। युवक भी उसी सेंटर में तैयारी कर रहा था। आरोपी ने पहले नाबालिग से दोस्ती की और फिर धीरे-धीरे उसे प्रेम जाल में फंसा लिया।

जन्मदिन के बहाने घर पर बुलाया था आरोपीः पुलिस को दिए बयान में पीड़िता की मां ने बताया कि 18 अप्रैल 2026 को आरोपी ने नाबालिग को अपने जन्मदिन के बहाने रांची स्थित अपने किराए के घर पर बुलाया। आरोपी ने नाबालिग से कहा कि उसका जन्मदिन है और उसके जन्मदिन में उसके माता-पिता और अन्य परिजन भी हैं। नाबालिग ने उसकी बातों पर विश्वास कर लिया और वह उसके घर चली गई। जहां पर आरोपी ने कोल्ड ड्रिंक में नशे की दवा मिलाकर उसे पिला दिया। जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया।

कैसे हुआ मामले का खुलासाः सुबह होने पर पीड़िता को इसकी जानकारी हुई। जब उसने विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की। साथ ही किसी को कुछ बताने पर अंजाम भुगतने की धमकी दी। इसके बाद भी धमकी देकर आरोपी पीड़िता के साथ लगातार शारीरिक शोषण करता रहा।

इसके बाद 8 जुलाई 2026 को आरोपी लोहरदगा पहुंच गया और पीड़िता को उसके घर के बाहर से आवाज देने लगा। जब परिवार वालों ने पीड़िता से इस बारे में पूछा तो पीड़िता ने उन्हें पूरी कहानी बताई। जिसके बाद पीड़िता और उसकी मां ने सदर थाना पहुंचकर प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

सिल्ली का विकास मेरा लक्ष्यः अमित महतो

मुरी : सोनाहातु में करोड़ों की लागत से पांच अलग- अलग क्षेत्र में विधायक की उपस्थिति में शिलान्यास किया गया। पहला शिलान्यास पोवादीरी और पेंड़ेगचावली में आगंनबाड़ी , राजकीय कृत मध्य विधालय में चाहरदिवारी निर्माण, बीरगामडीह में उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण, चरकुडीह में 700 फीट का पीसीसी निर्माण के लिए योजना की नींव रखी गई। इस मौके पर बिधायक अमित महतो ने गांव के बुनियादी जरूरतों पर किया गया योजनाओं के प्रति हेमंत सोरेन के प्रति धन्यवाद देते हुए कहा कि आने वाले दिनों में सिल्ली विधानसभा को बेहतर बनाने का हमारा लक्ष्य है। गांव वालों से योजनाओं के निर्माण में अपना सहयोग दे। बिजली की समस्या को लेकर उन्होंने चिंता जताई और कहा कि आने वाले छ महीने में सुधार आएगी इसके लिए विभागीय सचिव और एमडी से बातचीत किया गया है। चरकुडीह में शिलान्यास स्थल पर संवेदक की उपस्थिति रहती, पर लोग उनको खोजते रह गए। वही आगंनबाड़ी के संवेदक आंगनबाड़ी के लागत को छिपाने की कोशिश की। इनको दो दो आंगनबाड़ी निर्माण का ठेका मिला है। फिर तीन तीन उप स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण सिल्ली विधानसभा क्षेत्र में एक ही संवेदक को मिला है।

सास की हत्या करने वाली बहू को उम्रकैद व 10 हजार जुर्माना

रांची : अपर न्यायायुक्त अमित शेखर की अदालत ने सास की हत्या के मामले में दोषी करार दी गयी बहू फूलो देवी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 10 हजार जुर्माना भी लगाया है। यह घटना 09 जून 2024 को लापुंग थाना क्षेत्र के कारूंम गांव में हुई थी। घटना के बाद से ही फूलो देवी न्यायिक हिरासत में है।

सास की हत्या पर बहू दोषी करारः मुकदमे की सुनवाई के दौरान अपर लोक अभियोजक सिद्धार्थ सिंह ने गवाहों के बयान और अन्य ठोस साक्ष्य अदालत के समक्ष पेश किये। साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। मामले में मृतका के बेटे और आरोपी के पति ने लापुंग थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी के अनुसार 09 जून 2024 की दोपहर करीब तीन बजे आपसी विवाद के दौरान फूलो देवी ने अपनी सास मानमईत देवी के सिर पर ईंट से हमला कर दिया। इसके बाद उसे जमीन पर पटककर गर्दन दबा दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गयी।

मां को मृत देख बेटे ने पुलिस को दी सूचना : घटना के समय आरोपी का पति दुकान से घर लौटा तो उसने अपनी मां को मृत पाया। उसे देखते ही फूलो देवी मौके से फरार हो गई। इसके बाद उसने पुलिस को फोन कर घटना की सूचना दी। जांच और सुनवाई के बाद अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

मुरैनवा आंगनबाड़ी सेविका चयन पर उठे सवाल ग्रामीणों ने उपायुक्त से जांच की लगाई गुहार

चतराः जिले के हंटरगंज प्रखंड की जोरी पंचायत अंतर्गत जोरी खुर्द टोला मुरैनवा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में सेविका चयन को लेकर विवाद सामने आया है। कुछ ग्रामीणों एवं एक अभ्यर्थी ने चयन प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए उपायुक्त एवं अनुमंडल पदाधिकारी को आवेदन देकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा आवश्यकता पड़ने पर चयन प्रक्रिया की समीक्षा करने की मांग की है। शिकायतकर्ता अभ्यर्थी सुलेखा कुमारी का आरोप है कि चयन प्रक्रिया में निर्धारित मानकों का सही ढंग से पालन नहीं किया गया। उनका कहना है कि शैक्षणिक अंकों के आधार पर उन्हें 18 अंक प्राप्त हुए, जबकि चयनित अभ्यर्थी को 14 अंक मिले थे। उनका आरोप है कि इसके बावजूद चयन प्रक्रिया में उन्हें वरीयता नहीं दी गई। शिकायत में चयन प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए मामले की जांच की मांग की गई है।आवेदन में कुछ ग्रामीणों ने भी चयन प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने तथा पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि जांच में किसी प्रकार की अनियमितता सामने आती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाए, ताकि पात्र अभ्यर्थी को न्याय मिल सके।

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

राहुल दुबे गैंग के तीन अपराधी हथियार के साथ गिरफ्तार

- कोयला कारोबारियों से लेवी वसूली की थी तैयारी
- कोयलांचल क्षेत्र में फायरिंग कर दहशत फैलाने की फिराक में जुटे थे अपराधी

संवाददाता

चतराः जिला पुलिस ने टंडवा एवं पिपरवार कोयलांचल क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए राहुल दुबे गैंग के तीन अपराधियों को हथियार एवं कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधी कोयला साइडिंग की रेकी कर कारोबारियों में दहशत फैलाकर लेवी वसूलने की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, छह जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की है। मंगलवार को एसपी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध अपराधी पिपरवार थाना क्षेत्र के कारो गांव में हथियार के साथ घूम रहे हैं और किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर तत्काल विशेष छापेमारी दल का गठन कर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने कारो गांव में घेराबंदी कर तीनों अपराधियों को दबोच लिया। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान बोकारो जिले के संजय मुर्ती, आलोक कुमार सिंह तथा हजारीबाग जिले के अजय करमाली के रूप में हुई है।

कोयला कारोबारियों से लेवी वसूलने की थी साजिशः एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि तीनों अपराधी राहुल दुबे गैंग से जुड़े हुए हैं। ये टंडवा कोयलांचल क्षेत्र में संचालित कोयला साइडिंग और कारोबारियों की गतिविधियों की रेकी कर रहे थे। इसके बाद कारोबारियों में भय का माहौल बनाने के लिए फायरिंग की घटना को अंजाम देकर लेवी वसूलने की योजना थी। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से अपराधियों की साजिश समय रहते विफल हो गई।

हथियार और कारतूस बरामदः पुलिस ने गिरफ्तार अपराधियों के पास से एक पिस्टल, एक देशी कट्टा, छह जिंदा कारतूस, एक मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त एक मोटरसाइकिल बरामद की है। बरामद हथियारों और अपराधियों के आपराधिक इतिहास की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि गैंग के अन्य सदस्य कहां सक्रिय हैं और उनकी क्या भूमिका रही है।

विशेष छापेमारी दल की रही अहम भूमिकाः इस कार्रवाई को सफल बनाने में टंडवा थाना प्रभारी पप्पू शर्मा, पिपरवार थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा तथा पुलिस अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार सहित पुलिस बल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर बिना किसी अप्रिय घटना के तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया।

गैंग के नेटवर्क की होगी जांचः एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ जारी है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि राहुल दुबे गैंग के अन्य सदस्य कहां छिपे हुए हैं, उन्हें हथियार किसने उपलब्ध कराए और कोयला क्षेत्र में लेवी वसूली की साजिश में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने स्पष्ट किया कि कोयलांचल क्षेत्र में अपराध और रंगदारी पर सख्ती से कार्रवाई जारी रहेगी तथा किसी भी कीमत पर कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

वाहनों की गति कम करने के लिए बनाये गये स्पीड ब्रेकर बन रहे दुर्घटना का कारण

पेंट और चेतावनी संकेत के अभाव में रोज हो रहे हादसे

संवाददाता

चतराःसड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और वाहनों की रफ्तार नियंत्रित करने के उद्देश्य से बनाए गए स्पीड ब्रेकर अब खुद हादसों की बड़ी वजह बनते जा रहे हैं। जिले के हंटरगंज प्रखंड के तुलसीपुर से सोहाद तक मुख्य सड़क पर बने कई स्पीड ब्रेकर बिना पेंट और चेतावनी संकेत के होने के कारण वाहन चालकों के लिए खतरा साबित हो रहे हैं। खासकर रात के समय या तेज गति से आने वाले दोपहिया वाहन चालक इन्हें समय पर नहीं देख पाते, जिससे आए दिन लोग दुर्घटनाओं का शिकार हो रहे हैं।स्थानीय लोगों का कहना है कि सबसे अधिक परेशानी बाइक सवारों को होती है। अचानक सामने आए स्पीड ब्रेकर के कारण चालक संतुलन खो बैठते हैं और वाहन अनियंत्रित होकर गिर जाता है। कई मामलों में पीछे बैठी महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी घायल हो चुके हैं। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते इन स्पीड ब्रेकरों पर सफेद या पीले रंग की पेंटिंग और चेतावनी संकेत लगाए गए होते, तो कई दुर्घटनाओं से बचा जा सकता था।

मानकों की अनदेखी बनी चिंता का विषयः सड़क सुरक्षा से जुड़े मानकों के अनुसार किसी भी स्पीड ब्रेकर से पहले निर्धारित दूरी पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाना चाहिए, ताकि वाहन चालक पहले से सतर्क हो सकें। साथ ही स्पीड ब्रेकर पर सफेद या पीले रंग की थर्मोप्लास्टिक मार्किंग भी आवश्यक मानी जाती है, जिससे वह दिन और रात दोनों समय स्पष्ट दिखाई दे। लेकिन तुलसीपुर से सोहाद तक कई स्थानों पर बने स्पीड ब्रेकर इन आवश्यक सुरक्षा मानकों से वंचित हैं, जिससे दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है।

रात के अंधेरे में बढ़ जाता है खतराः स्थानीय लोगों के अनुसार रात के समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क पर पर्याप्त रोशनी नहीं होने तथा स्पीड ब्रेकर पर पेंट नहीं होने के कारण वाहन चालक अचानक ब्रेक लगाने को मजबूर हो जाते हैं। इससे कई बार पीछे से आ रहे वाहन भी टकरा जाते हैं। लोगों का कहना है कि ऐसे स्पीड ब्रेकर सुरक्षा देने के बजाय खतरे का कारण बनते जा रहे।

ग्रामीणों ने की त्वरित कार्रवाई की मांगः ग्रामीणों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि सभी स्पीड ब्रेकरों पर शीघ्र सफेद या पीले रंग की पेंटिंग कराई जाए, थर्मोप्लास्टिक रोड मार्किंग की जाए तथा निर्धारित दूरी पर चेतावनी बोर्ड लगाए जाएं। उनका कहना है कि सड़क सुरक्षा से जुड़े इन छोटे-छोटे सुधारों से बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और लोगों की जान बचाई जा सकती है।स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क पर सुरक्षा के लिए बनाए गए स्पीड ब्रेकर तभी अपने उद्देश्य को पूरा करेंगे, जब उनका निर्माण और रखरखाव निर्धारित मानकों के अनुरूप किया जाए। अन्यथा ये स्पीड ब्रेकर लोगों की सुरक्षा के बजाय उनकी जान के लिए खतरा बने रहेंगे।

उपायुक्त ने किक मारकर किया सुब्रतो कप टूर्नामेंट का शुभारंभ

पलामू : उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने मंगलवार को चैनपुर स्थित सहोदय उच्च विद्यालय में आयोजित प्रमंडल स्तरीय 65वीं सुब्रतो कप जिलास्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का टॉस कराकर एवं फुटबॉल को किक मारकर विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आरंभ में विद्यालय परिवार एवं छात्र-छात्राओं द्वारा उपायुक्त का गर्मजोशी एवं भव्य स्वागत किया गया।

व्यक्तित्व निर्माण का आधार है विद्यालय जीवनः उपायुक्त : इस अवसर पर उपायुक्त ने खिलाड़ियों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यालय जीवन व्यक्ति के व्यक्तित्व निर्माण का सबसे महत्वपूर्ण चरण होता है। उन्होंने कहा कि वे स्वयं अपने छात्र जीवन में एक औसत विद्यार्थी रहे हैं, लेकिन विद्यालय में आयोजित विभिन्न गतिविधियां विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को निखारने का कार्य करती हैं। इसलिए विद्यार्थियों को अपने स्कूल जीवन के प्रत्येक अवसर का भरपूर लाभ उठाना चाहिए।उन्होंने कहा कि यदि छात्र-छात्राएं विद्यालय जीवन में बेहतर प्रदर्शन करेंगे तो निश्चित रूप से उनका भविष्य भी उज्ज्वल होगा। विद्यार्थियों से उन्होंने अपने समय का सदुपयोग करने तथा पढ़ाई के साथ-साथ खेल एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया।

मार्गदर्शक के रूप में शिक्षकों की भूमिका अहमः शिक्षकों की भूमिका का उल्लेख करते हुए डीसी ने कहा कि माता-पिता के बाद यदि कोई व्यक्ति निस्वार्थ भाव से विद्यार्थियों का मार्गदर्शन और सेवा करता है तो वह शिक्षक होता है। शिक्षकों का योगदान जीवनभर अविस्मरणीय रहता है तथा उनके मार्गदर्शन से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव हो पाता है।

खेल से विकसित होती है टीम भावना और अनुशासनः खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उपायुक्त ने कहा कि फुटबॉल जैसे खेल शारीरिक फिटनेस, अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की धरती है और राज्य की पहचान देश-दुनिया में खेलों के माध्यम से भी स्थापित हुई है। उन्होंने खिलाड़ियों से खेल के प्रति समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास और अनुशासन से ही बड़े लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

कोनार डैम से मिली 68 किलो की दो दुर्लभ मछली, विशाल मछलियों को देखने के लिए उमड़ी ग्रामीणों की भीड

बोकारोः जिले के जरकुंडा हजारीबाग के विष्णुगढ़ की सीमा से सटे कोनार डैम में मंगलवार को मछुआरों के हाथ ऐसी सफलता लगी, जिसने पूरे इलाके का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। डैम से एक साथ 42 किलो और 26 किलो वजन की दो विशाल ब्रिकेट मछलियां पकड़ी गईं। दोनों मछलियों का कुल वजन 68 किलो रहा। इतनी बड़ी मछलियों को जाल से बाहर निकालने के लिए कई लोगों को एक साथ मेहनत करनी पड़ी। जैसे ही इसकी सूचना आसपास के गांवों में पहुंची, बड़ी संख्या में लोग मछलियों को देखने के लिए डैम किनारे पहुंच गए।

जरकुंडा मत्स्यजीवी सहयोग समिति को मिली सफलताः यह उपलब्धि जरकुंडा मत्स्यजीवी सहयोग समिति के मछुआरों के नाम रही। समिति के अध्यक्ष धीरज लहेरी के नेतृत्व में अशोक महतो, महावीर महतो, जमुना महतो, तापेश्वर महतो, देवेंद्र महतो और अन्य सदस्यों ने सामूहिक प्रयास से जाल खींचकर दोनों विशाल मछलियों को सुरक्षित बाहर निकाला। मछलियों के बाहर आते ही वहां मौजूद लोगों में उत्साह का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया और मछलियों के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

दुर्लभ आकार की मछलियों ने बढ़ाया उत्साहः समिति अध्यक्ष धीरज लहेरी ने बताया कि कोनार जलाशय में कई प्रकार की बड़ी मछलियां पाई जाती हैं, लेकिन 42 और 26 किलो वजन की मछलियां मिलना बेहद दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि इतनी बड़ी मछलियों की पकड़ न केवल मछुआरों के लिए गर्व की बात है, बल्कि इससे अच्छी आमदनी भी होती है। उन्होंने बताया कि इस तरह की बड़ी मछलियां बाजार में बेहतर कीमत पर बिकती हैं, जिससे मछुआरों और उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होती है।

कोनार डैम बना हजारों लोगों की आजीविका का सहाराः स्थानीय मछुआरों के अनुसार, कोनार डैम लंबे समय से क्षेत्र के लोगों की आजीविका का प्रमुख स्रोत बना हुआ है। यहां बड़ी संख्या में मछुआरे केज कल्चर और पारंपरिक मत्स्य पालन के माध्यम से अपना जीवनयापन करते हैं। डैम में होने वाले मत्स्य उत्पादन से स्थानीय बाजारों में ताजी मछलियों की आपूर्ति होती है। इससे न केवल मछुआरों को रोजगार मिलता है, बल्कि आसपास के कई परिवारों की आजीविका भी इसी व्यवसाय पर निर्भर है।

सरकारी सहयोग की उठाई मांगः मछुआरों ने सरकार से मत्स्य पालन क्षेत्र को और अधिक प्रोत्साहन देने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि आधुनिक उपकरण, बेहतर प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता उपलब्ध कराई जाए तो उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। उन्होंने कहा कि मत्स्य पालन को योजनाबद्ध तरीके से बढ़ावा मिलने पर कोनार क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

लोगों ने बताया गौरव का पलः 42 और 26 किलो की इन विशाल ब्रिकेट मछलियों की पकड़ को स्थानीय लोगों ने पूरे क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की मछलियां रोज-रोज देखने को नहीं मिलतीं। इसलिए यह नजारा उनके लिए किसी आकर्षण से कम नहीं था।

छह माह बाद भी नहीं जागी व्यवस्था

बरसात में फिर उभरा डाढा पंचायत के बैरियो की बदहाल सड़क का दर्द

ग्रामीणों ने सांसद-विधायक व डीसी से लगाई गुहार

संवाददाता

चतराः सदर प्रखंड के डाढा पंचायत अंतर्गत बैरियो गांव की जर्जर मुख्य सड़क का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब छह माह पूर्व 18 फरवरी 2026 को इस गंभीर समस्या को प्रमुखता से उठाए जाने के बावजूद अब तक न तो जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल हुई और न ही प्रशासनिक स्तर पर सड़क निर्माण की दिशा में कोई प्रभावी कार्रवाई की गई। इधर लगातार हो रही बारिश के बीच सड़क की स्थिति और भी भयावह हो गई है, जिससे ग्रामीणों का आक्रोश एक बार फिर खुलकर सामने आया है।

ग्रामीणों ने पत्रकारों के समक्ष अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए बताया कि गांव की मुख्य सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। हल्की बारिश होते ही सड़क पर कीचड़ और जलजमाव हो जाता है, जिससे पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। बच्चों को विद्यालय जाने, किसानों को खेतों तक पहुंचने, मरीजों को अस्पताल ले जाने तथा दैनिक कार्यों के लिए लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार लोग फिसलकर चोटिल भी हो चुके हैं।ग्रामीणों का कहना है कि फरवरी में समाचार प्रकाशित होने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि जनप्रतिनिधि और प्रशासन इस समस्या का स्थायी समाधान करेंगे, लेकिन समय बीतने के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। बरसात शुरू होते ही सड़क की बदहाली ने गांववासियों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। ग्रामीणों ने चतरा के सांसद कालीचरण सिंह, स्थानीय विधायक जनार्दन पासवान, उपायुक्त रवि आनंद तथा राज्य सरकार से इस मामले में तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क केवल आवागमन का माध्यम नहीं, बल्कि गांव के विकास की रीढ़ होती है। जब तक सड़क नहीं बनेगी, तब तक क्षेत्र के विकास की कल्पना अधूरी रहेगी।

गांववासियों ने स्पष्ट कहा कि अब आश्वासनों से काम नहीं चलेगा। वे चाहते हैं कि संबंधित विभाग शीघ्र तकनीकी सर्वे कराकर सड़क निर्माण की प्रक्रिया शुरू करे, ताकि बरसात सहित पूरे वर्ष लोगों को सुरक्षित और सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही सड़क निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं हुई, तो वे लोकतांत्रिक तरीके से जनआंदोलन करने को विवश होंगे। अब जिले की जनता की निगाहें सांसद, विधायक, जिला प्रशासन और राज्य सरकार पर टिकी हैं कि आखिर बैरियो गांव की वर्षों पुरानी इस ज्वलंत समस्या का समाधान कब तक होता है।

जगन्नाथपुर मंदिर में नेत्रदान के साथ तीनों विग्रहों का अनुष्ठान शुरू, रथयात्रा कल

संवाददाता

रांची: धुर्वा स्थित ऐतिहासिक जगन्नाथपुर मंदिर में बुधवार को नेत्रदान उत्सव के साथ भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा तीनों विग्रहों का अनुष्ठान शुरू हो गया है। शाम 5 बजे 108 दीपों की महाआरती के साथ ही श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए मंदिर के पट खोल दिए जाएंगे।

वहीं 16 जुलाई (गुरुवार) को शाम 5:01 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेगा, जो 25 जुलाई को वापस लौटेगा। प्रशासन और मंदिर न्यास समिति ने ऐतिहासिक रथयात्रा को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गाइडलाइंस जारी कर दी है।

16 जुलाई को निकलेगी ऐतिहासिक रथयात्राः 16 जुलाई को भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाएगी। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि दोपहर 2 बजे तक श्रद्धालु दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद दर्शन बंद कर दिए जाएंगे। दोपहर 2:30 से 3 बजे के बीच सुदर्शन चक्र, श्री गरुड़, लक्ष्मी-नरसिंह, बलभद्र स्वामी, माता सुभद्रा एवं भगवान जगन्नाथ के विग्रह रथ के लिए प्रस्थान करेंगे। इसके बाद विग्रहों को रथ पर विराजमान कर श्रृंगार किया जाएगा।

शाम 4 बजे रथ पर भक्तों द्वारा श्री विष्णु सहस्त्रनाम पूजा होगी। शाम 4:30 से 5 बजे तक मंदिर के सहायकों द्वारा भगवान के चरणों में पुष्प अर्पित किए जाएंगे। शाम 5:01 बजे भगवान जगन्नाथ का रथ मौसीबाड़ी के लिए प्रस्थान करेगा। शाम 6 बजे रथ के मौसीबाड़ी पहुंचने की संभावना है। शाम 6:05 बजे से महिलाओं को रथ पर दर्शन का अवसर मिलेगा। रात्रि 7 बजे दर्शन बंद कर विग्रहों को मौसीबाड़ी मंदिर में विराजमान कराया जाएगा। रात 8 बजे 108 की मंगल आरती के बाद शयन अनुष्ठान होगा।

प्रशासन ने जारी किए दिशा-निर्देशः मंदिर न्यास समिति ने बताया कि रथ पर केवल पुजारी एवं अधिकृत व्यक्ति ही धोती पहनकर रहेंगे। रथ संचालन के दौरान हटिया के पुलिस उपाधीक्षक दिशा-निर्देश देंगे। वे वर्दी में रहेंगे, विष्णु सहस्त्रनाम पूजा के दौरान रथ सुरक्षा समिति और पुलिसकर्मी पूजा स्थल की घेराबंदी करेंगे। समिति ने बताया कि रथ धीरे-धीरे मौसीबाड़ी की ओर बढ़ेगा। वापसी रथयात्रा 25 जुलाई को निकाली जाएगी।

अलबर्ट एक्का चौक पर 4 और 5 सितंबर को मनेगा श्री कृष्ण जन्मोत्सव

संवाददाता

रांची: रांची में श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति की ओर से चार और पांच सितंबर को अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड में दो दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन किया जायेगा। समिति के संरक्षक रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, सीपी सिंह और अजय मारू हैं। समिति के अध्यक्ष मुकेश काबरा ने बताया कि समिति पिछले 16 वर्षों से लगातार श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन करती आ रही है।

पहले दिन झांकी, दूसरे दिन दही-हांडी व भजन संध्या : आयोजन के पहले दिन झांकी व बाल झांकी प्रतियोगिता होगी। दूसरे दिन पांच सितंबर को शाम सात बजे से दही-हांडी फोड़ प्रतियोगिता, भजन संध्या और नृत्य नाटिका का आयोजन किया जायेगा। समिति के संरक्षक सह रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने कहा कि हमारी संस्कृति हमारी धरोहर है।

दही-हांडी प्रतियोगिता बनेगी मुख्य आकर्षण : सभी त्योहारों पर हमारी सांस्कृतिक परंपराओं के अनुरूप कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस वर्ष पूर्वी भारत की सांस्कृतिक झलकियों के साथ दही-हांडी प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र होगी। उन्होंने बताया कि दही- हांडी प्रतियोगिता में पुरुष और महिला गोविंदा टीमों को भाग लेने का अवसर दिया जायेगा। विजेता टीमों को समिति की ओर से नकद पुरस्कार, शील्ड और प्रमाण-पत्र प्रदान किये जायेंगे।

आयोजन की तैयारियों में जुटे समिति के सदस्यः आयोजन से संबंधित विस्तृत जानकारी समिति की बैठक के बाद साझा की जायेगी। आयोजन को सफल बनाने में समिति के सदस्य सक्रिय रूप से जुट हुए हैं। तैयारियों में नीरज कुमार, रविंद्र मोदी, ऐश्वर्य सेठ, रमेंद्र कुमार, कुणाल आजमानी, राज वर्मा, संजय जयसवाल, कमलजीत सिंह शंटी, सतीश सिन्हा, पूनम आनंद, संतोष सेठ, रामाशंकर बगड़िया, नीरज चौधरी, प्रमोद सारस्वत, संजय पोद्दार सहित अन्य सदस्य सहयोग कर रहे हैं।

तेज रफ्तार हाइवा की चपेट में आने से छात्र की मौत, ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

ओरमांझीः कुच्चू पथ स्थित बरवे रेस्क्यू सेंटर के समीप मंगलवार शाम करीब साढ़े आठ बजे तेज रफ्तार हाइवा (बीआर 02 क्यू 7536) की चपेट में आने से डहु निवासी एजाज अंसारी के पुत्र दिलसाद अंसारी (16) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने हाइवा का पीछा कर ब्लॉक चौक के पास उसे रोक लिया और चालक की पिटाई कर दी।

टक्कर मारने के बाद भागने लगा चालक : प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक दिलसाद अंसारी एसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, ओरमांझी में नौवीं कक्षा का छात्र था। ग्रामीणों का आरोप है कि हाइवा चालक तेज रफ्तार और लापरवाही से वाहन चला रहा था। सड़क किनारे खड़े दिलसाद को टक्कर मारने के बाद चालक वाहन लेकर भागने लगा। इस दौरान सिलदीरी गांव के पास एक बिजली के खंभे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। हादसे के विरोध में घटनास्थल बरवे रेस्क्यू सेंटर के समीप ग्रामीण शव के साथ प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी ओर ओरमांझी ब्लॉक चौक से कुच्चू जानेवाली सड़क को भी लोगों ने जाम कर दिया। वे मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा देने और दुर्घटनास्थल पर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग कर रहे थे। घटनास्थल पर मौजूद पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी मनोज कुमार ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन प्रदर्शन कर रहे ग्रामीण देर रात तक अपनी मांगों को लेकर सड़क पर डटे हुए थे।

रातू थाना क्षेत्र में गैंगरेप, जांच में जुटी पुलिस

रांची : राजधानी रांची के रातू थाना इलाके में गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया गया है। इस वारदात में करीब आधा दर्जन से अधिक लोग शामिल थे। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद रांची पुलिस की टीम ने छापेमारी कर आधा दर्जन से अधिक आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार यह मामला 12 जुलाई की रात की है। रातू थाने की पुलिस को इस मामले की जानकारी मिली। जिसके बाद एक छापेमारी टीम का गठन किया गया।

पुछताछ के बाद आठ लोगों की संलिप्तता की हुई जानकारी : इस छापेमारी टीम ने छानबीन कर दो लोगों को हिरासत में लिया और पूछताछ करने के बाद कई लोगों का नाम सामने आया। पुलिस की टीम ने इस मामले में कुल आठ लोगों को हिरासत में लिया है और सभी बिंदुओं पर पूछताछ कर रही है।

छात्रा अदिति कुमारी की पेंटिंग बनी आकर्षण का केंद्र

मेट्रो रेज

रांचीः एचएम पब्लिक स्कूल, चुटिया (रांची) की कक्षा 8-बी की छात्रा अदिति कुमारी अपनी बेहतरीन चित्रकला प्रतिभा को लेकर चर्चा में हैं। अदिति द्वारा बनाई गई आकर्षक पेंटिंग लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। देखने वाले उसकी कला की जमकर सराहना कर रहे हैं।

कम उम्र में ही अदिति ने अपनी कल्पनाशीलता, रंगों के सुंदर संयोजन और बारीक कलात्मक अभिव्यक्ति का परिचय दिया है। उनकी पेंटिंग न केवल देखने में आकर्षक है, बल्कि उसमें छिपा संदेश और रचनात्मकता भी लोगों को प्रभावित कर रहा है।

स्कूल के शिक्षकों एवं अभिभावकों ने अदिति की इस उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उचित मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिले तो वे भविष्य में राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं।

अदिति की इस कलाकृति की लगातार सराहना हो रही है और यह पेंटिंग लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

एसएसपी ने आधी रात थानों का किया औचक निरीक्षण

हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी

मेट्रो रेज

रांचीः राजधानी रांची के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) ने 14 जुलाई की देर रात शहर के विभिन्न थानों और महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण एवं भ्रमण एसपी नगर के साथ किया । इस निरीक्षण एवं भ्रमण के दौरान पुलिस की आपातकालीन तैयारियों, अनुशासन और आम जनता के लिए उनकी उपलब्धता का जायजा लिया गया।

महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिष्ठानों की जांचः थानों और गश्ती के साथ-साथ शहर के महत्वपूर्ण सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर तैनात गार्डों की ड्यूटी की भी गहन चेकिंग की गई, ताकि शहर की सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की कोई चूक न हो।

हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी को नोटिसः निरीक्षण के दौरान हिंदपीढ़ी पुलिस स्टेशन में अनुशासनहीनता पाई गई। ओडी ड्यूटी पर तैनात अधिकारी वर्दी में नहीं थे और थाना प्रभारी को अपने ही ओडी अधिकारी का नाम तक पता नहीं था। इस लापरवाही के लिए हिंदपीढ़ी थाना प्रभारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

पीसीआर वैन की जांचः शहर के विभिन्न स्थानों पर पीसीआर वैन की भी चेकिंग की गई और उनकी सक्रियता को परखा गया।

पुरस्कार और सराहनाः पूरी ईमानदारी और मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों की एसएसपी द्वारा सराहना की गई एसएसपी के सख्त निर्देशःवरीय पुलिस अधीक्षक ने सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि वे पूरी तरह से अलर्ट रहें, आम जनता की हर संभव मदद करें और रात के समय माहौल बिगाड़ने या उपद्रव करने वाले तत्वों को किसी भी सूरत में न बख्शें।

हाईकोर्ट के आदेश पर सीओ, सीआई समेत 10 पर एफआईआर

रांचीः चतरा में करोड़ों रुपये की जमीन हड़पने के आरोप में झारखंड हाईकोर्ट के आदेश पर अंचल अधिकारी (सीओ) अनिल कुमार, अंचल निरीक्षक (सीआई) वीरेंद्र कुमार, राजस्व कर्मचारी, कंप्यूटर ऑपरेटर समेत कुल 10 लोगों के खिलाफ सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। मामला सदर थाना कांड संख्या 234/26 के तहत दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

शिकायतकर्ता फियाज अहमद का आरोप है कि नगवां स्थित 26 डिसमिल जमीन को फर्जी पावर ऑफ अटॉर्नी, जाली दस्तावेज और अवैध म्यूटेशन के जरिए हड़पने की साजिश रची गई। आरोप है कि सरकारी रिकॉर्ड और ऑनलाइन डेटा में भी छेड़छाड़ की गई।

पीड़ित ने बताया कि विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई। पहले पुलिस ने कार्रवाई नहीं की, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। अदालत के निर्देश पर अब सभी आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

रॉंची समाहरणालय, रॉंची (भू-अर्जन शाखा)
www.dlaoranchi.in, dlaoranchi@gmail.com

ज्ञापांक–.................

प्रेषित,
1. उसमान गानी, लतिफुर रेहमान, माटिया अंसारी, पिता–रमजान,
2. शफिक आलम, जुबेर अहमद, उसेर आलम, उमेर अंसारी, मो० जोहेर आलम, पिता–स्व० मासूक अली
पता–ग्राम+पोस्ट+थाना–सिठियो, जिला–रॉंची, पिन–834004, झारखण्ड।

दिनांक–.................

विषय :– रॉंची रिंग रोड परियोजना अन्तर्गत भू–अर्जन वाद सं०–34/2009–10 मौजा–लाल पिण्डारकोम, थाना सं०–254, खाता सं०–22, प्लॉट सं० क्रमश–2, 3, अर्जित रकबा–0.07 ए० एवं 1.760 एकड़ भूमि का मुआवजा भुगतान के संबंध में।

उपर्युक्त विषयक Court of K.K. Mishra Civil Judge (Sr. Divn.) Ranchi, L.A.R. Case No.-1/2015 L.A.C. Case No.-34/2009-10 में Latifur Rahman & Others Vs Usman Gani & Others में दिनांक–24.05.2022 को पारित आदेश के विरूद्ध आवेदक शफिक आलम द्वारा माननीय उच्च न्यायालय, झारखण्ड, रॉंची में वाद दायर वाद सं०– WP(C) No.-6786/2025, Shafique Alam Vs The State of Jharkhand & Others है।

भूमि का विवरण

मौजा/थाना नं०	खाता सं०	प्लॉट सं०	रकबा (एकड़ में)	राशि
लाल पिण्डारकोम/254	22	2	0.07	53,68,298.00
		3	1.760	

अत: उपरोक्त विवरणी अनुसार भूमि के मुआवजा भुगतान के संदर्भ में कोई विवाद/आपत्ति हो तो अपना लिखित आपत्ति आवेदन दिनांक– 20.07.26 तक कार्यालय में दाखिल कर सकते हैं।

जिला भू–अर्जन पदाधिकारी,
रॉंची

PR 384916 Land Reforms (26-27)_D

जेपीएससी : सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 25 जुलाई से, 21 से डाउनलोड होगा एडमिट कार्ड

संवाददाता

रांचीः झारखंड लोक सेवा आयोग (जेपीएससी) द्वारा सिविल सेवा मुख्य परीक्षा 2025 का आयोजन 25 जुलाई 2026 से होगा। परीक्षा 27 जुलाई 2026 तक रांची जिला के विभिन्न केंद्रों पर दो पालियों में होगी। प्रथम पाली की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक व द्वितीय पाली की परीक्षा दोपहर ढाई बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक होगी।

21 जुलाई से डाउनलोड कर सकेंगे एडमिट कार्ड : मुख्य परीक्षा में शामिल होनेवाले अभ्यर्थी 21 जुलाई से 24 जुलाई 2026 तक अपना एडमिट कार्ड व उपस्थिति पत्रक डाउनलोड कर सकते हैं। अभ्यर्थी आयोग की वेबसाइट से अपना पंजीयन संख्या व जन्म तिथि डाल कर एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। एडमिट कार्ड डाक द्वारा नहीं भेजे जायेंगे। एडमिट कार्ड डाउनलोड करने में कठिनाइ होने पर अभ्यर्थी आयोग के हेल्पलाइन नंबर 8929883832 पर कार्यदिवस में संपर्क कर सकते हैं। एडमिट कार्ड में किसी प्रकार की त्रुटि होने पर अभ्यर्थी 24 जुलाई तक कार्यदिवस में लिखित आवेदन देकर त्रुटि सुधार करा सकते हैं। आवेदन पत्र में अपना नाम, पिता का नाम, जन्म तिथि व रजिस्ट्रेशन नंबर दर्ज कराना आवश्यक होगा। परीक्षा केंद्र पर बायोमैट्रिक व आइआरआइएस की व्यवस्था की गयी है। इसलिए अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र पर प्रथम पाली में सुबह आठ बजे व द्वितीय पाली में दोपहर एक बजे तक पहुंचना सुनिश्चित करेंगे।

ये डॉक्यूमेंट्स साथ लाना होगा अनिवार्य : केंद्र पर अभ्यर्थी को एडमिट कार्ड के साथ स्वयं का चार पासपोर्ट साइज रंगीन फोटोग्राफ व वैध पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। केंद्र परिसर में मोबाइल फोन, इलेक्ट्रॉनिक गजेट्स, किताब, खाद्य सामग्री, बैग, अस्त्र-शस्त्र आदि लाने पर प्रतिबंध है। परीक्षा आरंभ होने के 15 मिनट बाद आनेवाले अभ्यर्थी को प्रवेश की अनुमति नहीं मिलेगी। अभ्यर्थी को सभी पत्रों की परीक्षा में शामिल होना अनिवार्य है। 25 जुलाई को प्रथम पाली में प्रथम पत्र व द्वितीय पाली में द्वितीय पत्र, 26 जुलाई को प्रथम पाली में तृतीय पत्र व द्वितीय पाली में चतुर्थ पत्र व 27 जुलाई को प्रथम पाली में पांचवें पत्र व द्वितीय पाली में छठे पत्र की परीक्षा होगी।

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी–सह–मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, रॉंची

खुला डाक की सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विभागीय परिपत्र संख्या 114 दिनांक 18.1.1992 के आलोक में रॉंची जिला के **नामकुम प्रखंड** के संलग्न सूची के राजस्व जलकरों की अल्पकालीन बंदोबस्ती खुला डाक द्वारा वर्ष 2026–27 से 2028–29 तक की अवधि के लिए **दिनांक 28.07.2026 को 11:00** बजे पूर्वाह्न से जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, रॉंची के कार्यालय प्रकोष्ठ में की जाएगी। शेष बचे जलकरों की बंदोबस्ती पुन: खुले डाक के द्वारा **दिनांक 04.08.2026 को 11:00** बजे पूर्वाह्न एवं उसके पश्चात् **दिनांक 11.08.2026 को 11:00 बजे** पूर्वाह्न से जिला जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, रॉंची के कार्यालय प्रकोष्ठ में की जाएगी।

डाक की शर्तें निम्न प्रकार हैं–
1. निर्धारित वार्षिक सुरक्षित जमा राशि से कम राशि पर बन्दोबस्ती नहीं की जाएगी।
2. डाक में भाग लेने वाले इच्छुक व्यक्ति को प्रतिभूति राशि के रूप में वार्षिक सुरक्षित जमा राशि का 10 प्रतिशत राशि जमा करना होगा।
3. उच्चतम डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि को राजस्व राशि से समायोजित की जाएगी तथा अन्य डाक वक्ता की प्रतिभूति राशि वापस कर दी जाएगी।
4. डाक राशि जमा नहीं करने पर प्रतिभूति राशि जब्त कर ली जाएगी।
5. उच्चतम डाक वक्ता को मत्स्य बीज की प्राप्ति के श्रोत से अवगत कराना होगा।
6. बन्दोबस्तदार को राजस्व राशि जमा करने के एक सप्ताह के अन्दर एकरारनामा कराना होगा। एकरारनामा के समय एक पासपोर्ट आकार का फोटो जमा करना होगा। संपादित एकरारनामा का निबंधन बन्दोबस्तदार को स्वयं के खर्च पर कराना होगा।
7. डाक के एक सप्ताह के अन्दर एकरारनामा नहीं कराने की स्थिति में बन्दोबस्ती की स्वीकृति नहीं दी जाएगी तथा पुन: बन्दोबस्ती करने की प्रक्रिया अपनायी जाएगी।
8. किसी भी डाक/बन्दोबस्ती को रद्द करने या स्वीकृत करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी को सुरक्षित है।
9. डाक वक्ता को पहचान के रूप में आवश्यक कागजात प्रस्तुत करना होगा।
10. बकायेदार व्यक्ति को डाक में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रखण्ड – नामकुम

नामकुम प्रखंड के वर्ष 2026–27 से 2028–29 तक की अवधि में अल्पकालीन बंदोबस्ती हेतु जलकरों की सूची।

क्र०	जलकर का नाम	ग्राम	पंचायत	अंचल	खाता सं०	खेसरा सं०	रकबा	सुरक्षित जमा की राशि (रू० में)
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सिठियो तालाब	सिठियो	सिठियो	नामकुम	146	919	1.14	3200
2	बेरमाद तालाब	बेरमाद	बेरमाद	नामकुम	57	395	0.53	2800
3	टाटी तालाब	टाटीसिल्वे	टाटी	नामकुम	200	1621	2.20	5200
4	सिदरौल तालाब	सिदरौल	सिदरौल	नामकुम	56	1380	0.79	2720
5	कुटियातु तालाब	कुटियातु	कुटियातु	नामकुम	78	1214, 1216, 1217	1.68	3600
6	तेतरी तालाब	तेतरी	कुटियातु	नामकुम	88	683	0.66	4500
7	चिटिर तालाब	चिटिर	हरदाग	नामकुम	114	627	1.37	2000
8	कुटेटोली तालाब	कुटेटोली	चंदाघासी	नामकुम	172	434	1.37	2000
9	चंदाघासी तालाब	चंदाघासी	चंदाघासी	नामकुम	175	2294	6.60	3200
10	राजाउलातु तालाब	राजाउलातु	राजाउलातु	नामकुम	–	1318	1.15	6000
11	तुपुदाना तालाब	तुपुदाना	तुपुदाना	नामकुम	95	1379	1.01	8000

विशेष जानकारी के लिए अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय से कार्यावधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी –सह– मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, रॉंची

PR 384882 Fish(26-27)#D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

रुकना चाहिए जनसंख्या विस्फोट

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को विश्व जनसंख्या दिवस मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम ऊंट के मुंह में जीरा ही साबित हुए। देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। वास्तविकता यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल हो ही नहीं सकती थी।

आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 प्रतिशत आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है।

देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अघोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पत्तियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और कुछ विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है।

जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी वन चाइल्ड पॉलिसी को जिम्मेदार माना जाता है।

विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा।

जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए टू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियंत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरुकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है।

बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है।

हिन्दू धर्म आधारित संस्कारों की शिक्षा पर न्यायिक मुहर

सरकारी विद्यालयों में सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, गुरु मंत्र और शांति मंत्र के वाचन संबंधी राज्य सरकार के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि संविधान किसी भी ₹सांप्रदायिक सिद्धांतों से असंबद्ध नैतिक शिक्षा₹ पर रोक नहीं लगाता। यह टिप्पणी भारतीय शिक्षा व्यवस्था, संविधान और सांस्कृतिक विरासत के बीच संतुलन स्थापित करने वाली एक महत्वपूर्ण न्यायिक व्याख्या के रूप में देखी जानी चाहिए।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का हालिया निर्णय उन सभी के लिए नजीर है, जो अकसर भारतीय हिन्दू ज्ञान परंपरा और धर्म के मूल नैतिक तत्वों पर भी प्रश्न उठाते रहते हैं। इसलिए यह एक सरकारी परिपत्र की वैधानिकता तक सीमित न होकर उस मूल प्रश्न का उत्तर भी है, जिस पर लंबे समय से देश में बहस चल रही है कि क्या भारतीय संस्कृति और उसकी ज्ञान परंपरा को विद्यालयी शिक्षा का हिस्सा बनाया जाना चाहिए या नहीं। वस्तुतः सरकारी विद्यालयों में सरस्वती वंदना, गायत्री मंत्र, गुरु मंत्र और शांति मंत्र के वाचन संबंधी राज्य सरकार के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने स्पष्ट कर दिया कि संविधान किसी भी ₹सांप्रदायिक सिद्धांतों से असंबद्ध नैतिक शिक्षा₹ पर रोक नहीं लगाता। यह टिप्पणी भारतीय शिक्षा व्यवस्था, संविधान और सांस्कृतिक विरासत के बीच संतुलन स्थापित करने वाली एक महत्वपूर्ण न्यायिक व्याख्या के रूप में देखी जानी चाहिए। कहना होगा कि भारतीय शिक्षा की अवधारणा सदैव ₹सा विद्या या विमुक्तये₹ के सिद्धांत पर आधारित रही है। यहां शिक्षा का उद्देश्य रोजगार प्राप्त करने के साथ ही ऐसे नागरिक तैयार करना है, जिनमें ज्ञान के साथ चरित्र, अनुशासन, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व भी हो। इसी कारण गुरुकुल परंपरा से लेकर आधुनिक विद्यालयों तक प्रार्थना, शांति पाठ, गुरु वंदना और नैतिक मूल्यों का विशेष स्थान रहा है। इन परंपराओं का मूल उद्देश्य मनुष्य के भीतर श्रेष्ठ संस्कारों का विकास करना रहा है। छत्तीसगढ़ सरकार ने भी अपने विद्यालयों में जो व्यवस्था लागू की, उसका घोषित उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक चेतना और नैतिक मूल्यों से जोड़ना था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 भी स्पष्ट रूप से भारतीय ज्ञान प्रणालियों, स्थानीय परंपराओं और मूल्य आधारित शिक्षा को विद्यालयी पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण अंग मानती है। ऐसे में राज्य सरकार का यह प्रयास उसी व्यापक नीति का विस्तार माना जा सकता है। याचिकाकताओं ने इस व्यवस्था को संविधान के अनुच्छेद 14, 21, 25, 28, 29 और 30 का उल्लंघन बताते हुए इसे धार्मिक शिक्षा का स्वरूप देने का प्रयास किया। उनका तर्क था कि सरकारी विद्यालयों में ऐसे मंत्रों का वाचन अल्पसंख्यक समुदाय के विद्यार्थियों को असहज कर सकता है। यह एक संवैधानिक प्रश्न था, जिसका उत्तर सिर्फ भावनाओं के आधार पर देना संभव नहीं था, संविधान की भाषा और उसके उद्देश्य से ही दिया जा सकता था। यहीं पर उच्च न्यायालय का निर्णय महत्वपूर्ण हो जाता है। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 28(1) का आशय राज्य पोषित संस्थानों में किसी विशेष धर्म के कर्मकांड, पूजा-पद्धति अथवा धार्मिक सिद्धांतों की शिक्षा को रोकना है, किंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि नैतिक शिक्षा, नागरिक कर्तव्यों, सामाजिक समरसता और चरित्र निर्माण से जुड़े सांस्कृतिक मूल्यों को भी प्रतिबंधित मान लिया जाए। न्यायालय ने यह भी पाया कि सरकारी आदेश में ऐसा कोई बाध्यकारी प्रावधान नहीं है, जिससे किसी छात्र को उसकी धार्मिक मान्यता के विरुद्ध कार्य करने के लिए विवश किया जा रहा हो। महत्वपूर्ण यह भी है कि आदेश में किसी छात्र के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई का कोई प्रावधान नहीं था, इसलिए यह निर्णय भारतीय संस्कृति और भारतीय संविधान के बीच कृत्रिम टकराव पैदा करने वाली सोच पर भी अप्रत्यक्ष प्रश्नचिह्न लगाता है। भारतीय परंपरा में गायत्री मंत्र को सद्बुद्धि की प्रार्थना, शांति मंत्र को समस्त विश्व के कल्याण की कामना और सरस्वती वंदना को ज्ञान के प्रति समर्पण का प्रतीक माना जाता है। इनका मूल भाव नैतिक और मानवीय है। इन्हें सिर्फ संकीर्ण धार्मिक दृष्टि से देखना भारतीय ज्ञान परंपरा की व्यापकता को सीमित कर देना होगा। इस निर्णय का एक और महत्वपूर्ण पक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से जुड़ा है। नई शिक्षा नीति तकनीकी दक्षता से आगे समग्र व्यक्तित्व निर्माण पर बल देती है। उसमें भारतीय ज्ञान परंपरा, सांस्कृतिक विरासत, नैतिक मूल्यों और संवैधानिक कर्तव्यों को शिक्षा का अभिन्न अंग बताया गया है। यदि विद्यालय बच्चों को केवल परीक्षा पास करने की मशीन बना दें और उनके भीतर अनुशासन, करुणा, कृतज्ञता, राष्ट्रबोध तथा सामाजिक उत्तरदायित्व का विकास न हो, तो शिक्षा अधूरी रह जाएगी। आज जब समाज अनेक सामाजिक चुनौतियों, बढ़ती हिंसा, नशे की प्रवृत्ति, डिजिटल व्यसन और नैतिक संकट का सामना कर रहा है, तब विद्यालयों में मूल्य आधारित शिक्षा की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक महसूस की जा रही है। यह मूल्य किसी एक धर्म (हिन्दू) तक सीमित कर उन्हें संकीर्ण मान लेना उचित नहीं है, क्योंकि किसी भी धर्म के श्रेष्ठ सिद्धान्त सभ्य समाज की साझा आवश्यकता हैं। यदि भारतीय संस्कृति की सकारात्मक परंपराएं विद्यार्थियों में आत्मानुशासन, एकाग्रता, कर्तव्यबोध और श्रेष्ठ नागरिकता की भावना विकसित करने में सहायक बनती हैं, तो उन्हें पूर्वाग्रह के बजाय विवेकपूर्ण दृष्टि से देखा जाना चाहिए। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का यह निर्णय इसी संतुलित सोच का प्रतिनिधित्व करता है। अदालत ने न तो संविधान की धर्मनिरपेक्ष भावना से समझौता किया और न ही भारतीय सांस्कृतिक विरासत को संदेह की दृष्टि से देखा। उसने स्पष्ट किया कि नैतिक शिक्षा और सांप्रदायिक शिक्षा में मूलभूत अंतर है तथा दोनों को एक-दूसरे का पर्याय नहीं माना जा सकता। वास्तव में यह निर्णय आगे छत्तीसगढ़ तक सीमित नहीं रहेगा। यह भविष्य में शिक्षा, संस्कृति और संविधान से जुड़े अनेक विमर्शों के लिए संदर्भ बिंदु बनेगा। इससे यह संदेश भी जाता है कि भारतीय लोकतंत्र में संविधान और संस्कृति परस्पर विरोधी न होकर एक-दूसरे के पूरक हैं। उनका उद्देश्य व्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करते हुए समाज में सद्भाव, नैतिकता और उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना है। इसके साथ ही यहां यह भी स्पष्ट हो गया है कि जो लोग भारतीय हिन्दू धर्म एवं संस्कृति को संकुचित आइने से देखते हैं, वे अपने दृष्टिकोण में विस्तार करें, हिन्दू धर्म के नैतिक मूल्य सर्वकल्याणकारी हैं, यानी वे प्रत्येक मनुष्य के जीवन को उत्तरोत्तर आगे श्रेष्ठ दिशा में बढ़ाने वाले हैं। यह किसी संप्रदाय, मत, पंथ, रिलीजन के सीमित दायरे से परे हैं। इसलिए हिन्दू धर्म के सभी सिद्धांत मनुष्य मात्र के हित के लिए हैं, वह सभी के लिए समान हितकारक हैं।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

महिला आरक्षण, लोकसभा सीटों का विस्तार और लोकतंत्र की कसौटी

देश में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है।

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा सौंदर्य उसकी समावेशी भावना है। यह व्यवस्था केवल शासन चलाने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग को प्रतिनिधित्व देने का संवैधानिक वादा भी है। महिलाओं की राजनीति में भागीदारी इसी वादे का महत्वपूर्ण हिस्सा है। स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की संख्या उनकी आबादी के अनुपात में बहुत कम रही है। इसलिए महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार स्वाभाविक रूप से स्वागत योग्य माना जाता है। यह केवल लैंगिक समानता का प्रश्न नहीं, बल्कि लोकतंत्र की गुणवत्ता का भी प्रश्न है। लेकिन महिला आरक्षण की इस ऐतिहासिक पहल के साथ एक नई बहस भी जन्म ले चुकी है। क्या महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने के लिए लोकसभा की कुल सीटों में भारी वृद्धि आवश्यक है? क्या मौजूदा 543 सीटों के भीतर ही यह व्यवस्था लागू नहीं की जा सकती? यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि आर्थिक, प्रशासनिक और संवैधानिक दृष्टि से भी गंभीर है। सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि महिला आरक्षण और लोकसभा सीटों की संभावित वृद्धि दो अलग-अलग विषय हैं। महिला आरक्षण का संबंध निर्वाचित सीटों के आरक्षण से है, जबकि लोकसभा की सीटों का विस्तार भविष्य के परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़ा हुआ विषय है। फिर भी आम नागरिक के मन में यह जिज्ञासा स्वाभाविक है कि यदि आरक्षण का उद्देश्य महिलाओं को पर्याप्त प्रतिनिधित्व देना है, तो क्या इसके लिए संसद का आकार बढ़ाना अनिवार्य है? लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व का अर्थ केवल अधिक सांसद होना नहीं है। लोकतंत्र की सफलता इस बात से मापी जाती है कि जन प्रतिनिधि कितने उत्तरदायी हैं, संसद में कितनी गंभीर बहस होती है, कानून कितनी गुणवत्ता से बनते हैं और जनता की समस्याओं का समाधान कितना प्रभावी ढंग से होता है। यदि केवल संख्या बढ़ाने से लोकतंत्र मजबूत होता, तो दुनिया के सबसे बड़े संसद वाले देश स्वतः सबसे बेहतर लोकतंत्र भी होते। लेकिन वास्तविकता इससे अलग है।

देश में आज भी लाखों लोग गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, रोजगार, कृषि संकट और आधारभूत सुविधाओं जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। ऐसे समय में यदि संसद की संख्या बढ़ती है, तो जनता के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इससे शासन अधिक प्रभावी होगा या केवल सरकारी खर्च बढ़ेगा? प्रत्येक सांसद के साथ वेतन, कार्यालय, कर्मचारी, आवास, यात्रा, सुरक्षा, संसदीय संसाधन और प्रशासनिक ढांचे का विस्तार भी जुड़ा होता है। इसलिए सीटों की संख्या बढ़ाने का निर्णय केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि वित्तीय निर्णय भी है। हालांकि इस विषय पर यह भी स्पष्ट करना आवश्यक है कि अकसर सार्वजनिक चर्चा में सांसदों के वेतन और सरकारी खर्च के बारे में कई दावे किए जाते हैं, जिनके वास्तविक आंकड़े अलग हो सकते हैं। इसलिए किसी भी आर्थिक तर्क को प्रमाणित सरकारी आंकड़ों के आधार पर ही प्रस्तुत किया जाना चाहिए। लोकतांत्रिक विमर्श तथ्यों पर आधारित होना चाहिए, अतिशयोक्ति पर नहीं। महिला आरक्षण के समर्थकों का तर्क है कि बिना संवैधानिक गारंटी के राजनीतिक दल महिलाओं को पर्याप्त टिकट नहीं देंगे। पिछले सात दशकों का अनुभव भी यही बताता है कि अधिकांश दल चुनावों में महिलाओं को सीमित अवसर देते रहे हैं। इसलिए आरक्षण आवश्यक है। यह तर्क मजबूत और ऐतिहासिक अनुभव पर आधारित है। दूसरी ओर एक चिंता यह भी व्यक्त की जाती है कि क्या आरक्षण का लाभ वास्तव में समाज के अंतिम पायदान की महिलाओं तक पहुंचेगा? भारतीय राजनीति में चुनाव लड़ना आज भी अत्यधिक संसाधन-आधारित प्रक्रिया है। ऐसे में संभावना रहती है कि टिकट वितरण में राजनीतिक परिवारों, प्रभावशाली नेताओं, आर्थिक रूप से सक्षम उम्मीदवारों अथवा पहले से प्रसिद्ध व्यक्तियों को प्राथमिकता मिले। यदि ऐसा होता है, तो ग्रामीण, गरीब, किसान, मजदूर और मध्यमवर्गीय महिलाओं का प्रतिनिधित्व अपेक्षित स्तर तक नहीं बढ़ पाएगा। यह चुनौती केवल महिला आरक्षण की नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की समग्र संरचना की है। जब तक राजनीतिक दल अपने संगठनात्मक ढांचे में महिलाओं को नेतृत्व के अवसर नहीं देंगे, तब तक केवल संवैधानिक आरक्षण से अपेक्षित परिवर्तन सीमित रह सकता है। वास्तविक महिला सशक्तिकरण का अर्थ केवल संसद तक पहुँचाना नहीं, बल्कि निर्णय लेने की वास्तविक शक्ति देना भी है। एक और महत्वपूर्ण पहलू राजनीतिक दलों की आंतरिक संरचना से जुड़ा है। लगभग सभी दल महिला सम्मान और महिला सशक्तिकरण की बात करते हैं, लेकिन टिकट वितरण, संगठनात्मक पदों और शीर्ष नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी अभी भी सीमित दिखाई देती है। यदि राजनीतिक दल स्वयं अपनी कार्यप्रणाली में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाएँ, तो लोकतांत्रिक संस्कृति अधिक मजबूत होगी। लोकसभा की सीटों में संभावित वृद्धि का एक दूसरा आयाम संघीय संतुलन भी है। परिसीमन के बाद जनसंख्या के आधार पर राज्यों के प्रतिनिधित्व में परिवर्तन हो सकता है। इससे विभिन्न राज्यों के बीच राजनीतिक शक्ति का संतुलन प्रभावित होने की संभावना पर भी विशेषज्ञ चर्चा करते रहे हैं। इसलिए यह केवल संसद की संख्या का प्रश्न नहीं, बल्कि भारतीय संघीय व्यवस्था का भी विषय है। ऐसे निर्णय व्यापक राष्ट्रीय सहमति और गंभीर विमर्श के आधार पर ही लिए जाने चाहिए। भारतीय लोकतंत्र की एक और चुनौती है–जन प्रतिनिधियों के प्रति जनता का घटता विश्वास। संसद में व्यवधान, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप, विधेयकों पर सीमित चर्चा और चुनावी राजनीति का बढ़ता प्रभाव लोगों के मन में यह प्रश्न पैदा करता है कि क्या लोकतांत्रिक संस्थाएं अपनी सर्वोत्तम क्षमता से काम कर रही हैं? यदि जनता पहले से ही प्रतिनिधियों की जवाबदेही पर प्रश्न उठा रही है, तो संख्या बढ़ाने से पहले जवाबदेही बढ़ाने पर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए। लोकतंत्र में गुणवत्ता, संख्या से अधिक महत्वपूर्ण होती है। यदि संसद की कार्यवाही अधिक प्रभावी हो, संसदीय समितियाँ बेहतर ढंग से काम करें, सांसद अपने क्षेत्रों में अधिक सक्रिय रहें और कानून निर्माण की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बने, तो जनता का विश्वास स्वतः बढ़ेगा। केवल अधिक सांसद होने से लोकतंत्र अधिक उत्तरदायी नहीं हो जाता। महिला आरक्षण को लेकर एक सकारात्मक दृष्टिकोण भी आवश्यक है। महिलाओं की उपस्थिति बढ़ने से संसद में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, महिला सुरक्षा, बाल अधिकार, सामाजिक न्याय और परिवार से जुड़े विषयों पर अधिक संवेदनशील बहस होने की संभावना रहती है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पूरी के जगन्नाथ धाम से जुड़े 5 आश्चर्यजनक तथ्य

हिंदू धर्म में भगवान जगन्नाथ की पूजा का अधिक महत्व माना जाता है। भगवान जगन्नाथ का पावन धाम जिसको धरती का बैकुंठ भी कहा जाता है, वह ओडिशा के पुरी में स्थित है। सात प्राचीन पुरियों में एक इस पावन धाम में भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ विराजमान हैं। समुद्र के किनारे स्थित इस महाधाम की सिर्फ वास्तुकला नहीं बल्कि इससे जुड़े तमाम रोचक रहस्य भी हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जगन्नाथ मंदिर और इससे जुड़ी रथ यात्रा से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में बताने जा रहे हैं।

लकड़ी से बनी है मूर्तियां

जगन्नाथ पुरी धाम में भगवान जगन्नाथ को श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है। यहां पर भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और बड़े भाई बलभद्र के साथ मंदिर के गर्भगृह में विराजमान हैं। मंदिर में तीनों भगवान की मूर्तियां लकड़ी की बनी हैं, जिनको हर 12 साल में बदला जाता है।

अधूरी मूर्तियों की होती है पूजा

हिंदू मान्यता के मुताबिक जब भगवान विश्वकर्मा से राजा इंद्रद्युम्न ने भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को बनाने का निवेदन किया। तो भगवान विश्वकर्मा ने यह शर्त रखी कि वह बंद कमरे में मूर्तियों को बनाएंगे और उस कमरे में कोई भी प्रवेश नहीं करेगा। माना जाता है कि जब जिज्ञासावश राजा इंद्रद्युम्न ने कमरे के पट खोल दिए, तो भगवान विश्वकर्मा अधूरी मूर्ति छोड़कर चले गए। तब से लेकर आज तक भगवान जगन्नाथ, देवी सुभद्रा और भगवान बलभद्र की अधूरी मूर्तियों की पूजा की जाती है।

जगन्नाथ की रथयात्रा

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि पर भगवान जगन्नाथ अपनी बहन सुभद्रा और भाई बलभद्र के साथ रथ यात्रा पर बाहर निकलते हैं। यह रथ यात्रा जगन्नाथ मंदिर से शुरू होकर गुंडिचा मंदिर तक जाती है। फिर भगवान जगन्नाथ 9 दिनों बाद वापस अपने धाम को लौटकर आते हैं।

मंदिर का मुकुट है सुदर्शन चक्र

जगन्नाथ मंदिर के शिखर पर लगे सुदर्शन चक्र को मंदिर का चमत्कारी मुकुट भी कहा जाता है। आप इसको जिस भी तरफ से देखेंगे, यह आपको अपनी ओर घूमा हुआ नजर आएगा। मंदिर के शिखर पर बने सुदर्शन चक्र के दर्शन करना बेहद पुण्यदायी माना जाता है। भगवान जगन्नाथ धाम के ऊपर लहराता हुआ ध्वज अपने आप में विशेष है। भगवान के मंदिर का यह ध्वज रोजाना बदला जाता है।

टिप्स

डायबिटीज से हैं परेशान?

आजकल सबसे तेजी से दुनियाभर में डायबिटीज जैसी गंभीर बीमारी फैल रही है। गौरतलब है कि आधुनिक लाइफस्टाइल और खानपान की गलत आदतों से डायबिटीज की बीमारी उत्पन्न होती है। इस बीमारी के चपेट में आने के मुख्य कारण है सोने-जागने का अनिश्चित समय, फिजिकल एक?टिविटी की कमी, खानपान की गलत आदतें, अल्कोहल और स?मोकिंग की लत आदि। वैसे इस बीमारी को कंट्रोल करने के लिए कई उपाय और तरीके और उपचार मिल जाएंगे। लेकिन आप शायद ही जानते होंगे कि डायबिटीज को कम करने में स्लो वॉक भी मदद कर सकती है।

क्या कहती है रिसर्च?

दरअसल, अमेरिका के स्पोर्ट्स मेडिसिन जर्नल में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, रोजाना लंच या डिनर के आधे घंटे बाद मात्र 10-15 मिनट की हल्की वॉक के बाद भी लोगों का ब्लड शुगर लेवल की कमी पाई गई है। शोध के अनुसार, यदि खाने के आंधे घंटे के बाद दस मिनट के लिए थोड़ा टहल लिया जाए, तो यह प्रोसेस काफी हेल्दी माना जाता है। यदि आप इस समस्या से बचाव करना चाहती है, तो लंच व डिनर के बाद जरुर टहलें। इसको आप अपने रुटीन में जरुर शामिल करें। ऐसा करने से आपका शुगर लेवल नियंत्रित रहेगा और फिटनेस की आदत फायदेमंद होती है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट?

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि खाने के बाद शरीर में ब्लड सकुर्लेशन अच्छे ढंग से होता है। इससे मसल्स खून में मौजूद ग्लूकोज का सही तरीके से इस्तेमाल कर लेते हैं। नियमित वॉक से तनाव दूर होता है और अच्छी नींद आती है और शुगर लेवल भी कंट्रोल होता है। एक्टिविटीज में एक मानी जाती है और यह डायबिटीज से परेशान लोग जरुर करें। इसमें चोट लगने का खतरा कम होता है और वॉक शुरू करने के लिए आपको किसी स्पेशल इक्विपमेंट की जरुरत भी नहीं है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in** **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

नशे के तस्करों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई

ब्राउन शुगर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता

दुमकाः जिले के हंसडीहा थाना पुलिस ने ब्राउन शुगर तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग पांच ग्राम ब्राउन शुगर के साथ तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ नवल किशोर सिंह ने बताया कि उनसे पूछताछ के आधार पर पुलिस आगे के अनुसंधान में जुट गई है।

एक माह के अंदर तीसरी कार्रवाई

: नशे के कारोबारियों के खिलाफ पुलिस की यह पिछले एक महीने के भीतर यह तीसरी कार्रवाई है। जिससे इलाके में सक्रिय नशा कारोबारियों में हड़कंप मच गया है क्योंकि इस महीने में कुल आठ तस्कर को गिरफ्तार किया है, जो ब्राउन शुगर के कारोबार में लिप्त थे।

दरअसल, एसपी के निर्देश पर जरमुंडी क्षेत्र के एसडीपीओ नवल किशोर सिंह के नेतृत्व में गठित छापेमारी दल ने आज मंगलवार को पगवारा पहाड़ के समीप छापेमारी कर तीन युवकों को गिरफ्तार किया। उनके पास से लगभग पांच ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुआ। गिरफ्तार युवकों के नाम हैं- मुन्ताज अंसारी उर्फ लखपतिया, रिजवान अंसारी और फिरोज अंसारी उर्फ ठेउआ। ये हंसडीहा थाना क्षेत्र के सिंघनी गांव के रहने वाले हैं।

एसडीपीओ ने दी जानकारीः जरमुंडी एसडीपीओ नवल किशोर सिंह ने बताया कि मंगलवार दोपहर को पता चला कि कुछ युवक पगवारा पहाड़ के समीप ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री के साथ-साथ खुद सेवन भी कर रहे हैं। पुलिस के वहां पहुंचते ही तीनों भागने लगे लेकिन जवानों ने पीछा कर उन्हें दबोच लिया।

उनकी तलाशी के दौरान तीनों के पास से कुल 4.49 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की गई। जिसमें मुन्ताज के पास 1.91 ग्राम, रिजवान के पास 1.34 ग्राम और फिरोज के पास 1.24 ग्राम ब्राउन शुगर मिला। बरामद मादक पदार्थ को जब्त कर तीनों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि इन तीनों से जो पूछताछ हुई है, उस आधार पर पुलिस आगे के अनुसंधान में जुट गई है।

खेतों में बनी पर्याप्त नमी का लाभ उठाकर समय पर रोपाई करें किसानः प्रमोद एक्का

संवाददाता

साहिबगंजःजुलाई के शुरूआती 12 दिनों तक कम बारिश से चिंतित किसानों के लिए राहत की खबर है। 13 जुलाई को हुई अच्छी बारिश के बाद साहिबगंज जिला कृषि विभाग ने किसानों से धान की रोपाई में तेजी लाने की अपील की है।विभाग का कहना है कि खेतों में बनी पर्याप्त नमी का लाभ उठाकर किसान समय पर रोपाई करें।ताकि बेहतर उत्पादन मिल सके।जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का ने कहा कि जिन किसानों का धान का बिचड़ा तैयार हो चुका है,वे बिना विलंब रोपाई शुरू करें।साथ ही खेतों की मेड़ों को मजबूत करें ताकि वर्षा का पानी खेतों में अधिक समय तक रुका रहे और फसल को पर्याप्त नमी मिल सके।उन्होंने किसानों से धान के साथ-साथ अन्न बाजरा,रागी,ज्वार व अन्य मिलेट की बुआई और रोपाई पर भी विशेष ध्यान देने की अपील की।उन्होंने कहा कि मोटे अनाज कम पानी में भी अच्छी पैदावार देते हैं,पौष्टिक होते हैं और किसानों की आय बढ़ाने में सहायक हैं।कृषि विभाग ने किसानों से समय पर कृषि कार्य पूरा करने तथा किसी भी तकनीकी सलाह के लिए अपने प्रखंड कृषि पदाधिकारी और कृषि समन्वयक से संपर्क करने की अपील की है।

न्यूज IN ब्रीफ

जयप्रकाश सिन्हा ने बीएलओ गुड़िया देवी को हर सम्भव सहयोग का दिया आश्वासन

लोगो का सूचीबद्ध नहीं हुआ तो वोट से वंचित हो जाएंगे

साहिबगंजः जिला परिषद बूथ संख्या 73 में भारतीय जनता पार्टी की ओर से बीएलओ 2 के रूप मे पूर्व पार्षद जयप्रकाश सिहां अपने जिम्मेवारी का निर्वाह करते हुए वैसे बोटर जिसके नाम का मैपिंग नहीं हुआ है।वैसे वोटरों का अनमैप सूचीबद्ध नाम का अवलोकन किया जिसमे लगभग 208 बोटर है।यदि इन लोगो का सूचीबद्ध नहीं हुआ तो वोट से वंचित हो जाएंगे।जयप्रकाश सिहां ने बीएलओ गुड़िया देवी को हर सम्भव सहयोग देने का आश्वासन दिया और कहा की उचित कागजात लेकर सभी लोगों को वोटर लिस्ट में शामिल किया जाए,क्योंकि सब लोग वर्तमान में विधानसभा क्षेत्र बूथ संख्या 73 नंबर के पोषक क्षेत्र में निवास करते हैं अगर उनका नाम सूचीबद्ध नहीं हुआ तो वोट डालने से वंचित हो जाएंगे।उन्होंने कहा कि ऐसे लोग जो विधानसभा क्षेत्र में रहकर वोट भी देते हैं आए हैं।किसी भी हालत में वोटर लिस्ट में उनका नाम नहीं छोड़ना चाहिए।बैठक में मुख्य रूप से जयप्रकाश सिहां,गुड़िया देवी,राजस्थान इंटर विद्यालय की शिक्षिका रेनू गुप्ता,रेखा देवी,सिंटू दास,मीरा देवी,सोना देवी,निर्मल कुमार,अशोक सराफ,बमबम साह,अशोक कुमार,सरला शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

व्यवसायी का 1.65 लाख लेकर बदमाश फरार

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में बुधवार को दिनदहाड़े शातिर ठगों ने एक फर्नीचर व्यवसायी को निशाना बनाते हुए 1.65 लाख रुपये से भरा बैग लेकर फरार हो गए।
घटना सदर थाना क्षेत्र के सदर बाजार स्थित जैन चौक के पास हुई। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों के अनुसार गांधी टोला निवासी व्यापारी दीपक कुमार साव बैंक ऑफ इंडिया की शाखा से 1.65 लाख रुपये निकालकर अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। उन्होंने नकदी से भरा बैग बाइक के हैंडल में टांग रखा था। इसी दौरान जैन चौक के पास पहले से घात लगाए बदमाशों ने उन्हें आवाज लगाई कि उनका पैसा नीचे गिर गया है। व्यापारी जैसे ही नीचे देखने के लिए रुके, तभी गिरोह के दूसरे सदस्य ने फुर्ती दिखाते हुए हैंडल से नकदी से भरा बैग उठा लिया। बदमाश व्यवसायी का ध्यान भटकाकर होंडा शाइन बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी हीराल महतो पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पहुंचे और जांच शुरू कर दी। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि गिरोह का एक सदस्य बैंक के भीतर ग्राहक बनकर मौजूद था और बड़ी रकम निकालने वाले ग्राहकों पर नजर रख रहा था। उसी की सूचना पर बाहर खड़े साथियों ने पूरी वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने पीड़ित व्यापारी के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। बैंक परिसर और जैन चौक के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिसमें संदिग्ध आरोपित और उनकी बाइक दिखाई देने की बात सामने आई है। फुटेज के आधार पर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। सदर थाना प्रभारी हीराल महतो ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। संदिग्धों की पहचान कर विभिन्न संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है और जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हिमांशु हत्याकांड में दो और आरोपित गिरफ्तार, सभी 16 आरोपित पुलिस गिरफ्त में

पूर्वी सिंहभूम : शहर के चर्चित हिमांशु हत्याकांड की जांच में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में फरार चल रहे दो और आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ ही पुलिस ने सभी 16 आरोपितों को कानून के शिकंजे में ले लिया है। इसकी जानकारी बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में सिटी एसपी ललित कुमार मीणा ने दी। गिरफ्तार किए गए आरोपितों में राघवेन्द्र कुमार उर्फ रविन्द्र कुमार उर्फ घेरे (40) और गणेश मछुवा (34) शामिल हैं।
राघवेन्द्र ने मंगलवार को बिष्टुपुर थाना पहुंचकर आत्मसमर्पण किया था, जबकि गणेश मछुवा को पुलिस ने गिरफ्तार किया। उसकी निशानदेही पर घटना के बाद आरोपितों को फरार कराने और छिपाने में इस्तेमाल की गई टीवीएस एक्टिवा स्कूटी भी बरामद कर ली गई। सिटी एसपी ने बताया कि हत्याकांड के खुलासे के लिए विशेष अनुसंधान दल (एसआईटी) का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों, सीसीटीवी फुटेज, मानवीय आसूचना और अन्य प्रमाणों के आधार पर लगातार छापेमारी कर मामले की कड़ियों को जोड़ा। इससे पहले 14 नामजद एवं अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका था। शेष दो आरोपियों की तलाश जारी थी, जिन्हें अब गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि गणेश मछुवा ने मुख्य आरोपित विश्वनाथ मंडल उर्फ बोदरा, राहुल दुबे और राघवेन्द्र उर्फ घेरे को घटना के बाद छिपाने और फरार कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उसके खिलाफ पहले से भी आपराधिक मामले दर्ज हैं और अवैध शराब के कारोबार से जुड़े मामलों में वह दो बार जेल जा चुका है। सिटी एसपी ललित कुमार मीणा ने कहा कि दोनों आरोपितों की गिरफ्तारी के साथ ही हिमांशु हत्याकांड के सभी 16 आरोपित पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

टाटानगर तक ही चलेगी जनशताब्दी एक्सप्रेस, आगे का सफर रद्द

पूर्वी सिंहभूम : परिचालन में असामान्य देरी के कारण दक्षिण पूर्व रेलवे ने हावड़ाझबड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस के संचालन में अस्थायी बदलाव किया है। इसके तहत 15 जुलाई 2026 को चलने वाली दोनों दिशाओं की जनशताब्दी एक्सप्रेस का परिचालन टाटानगर स्टेशन तक ही सीमित रहेगा। रेलवे द्वारा बुधवार को दी गई जानकारी के अनुसार, गाड़ी संख्या 12021 हावड़ाझबड़बिल जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 जुलाई को अपने निर्धारित गंतव्य बड़बिल तक नहीं जाएगी। यह ट्रेन टाटानगर स्टेशन पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेगी। इसके चलते टाटानगर से बड़बिल के बीच इस ट्रेन का परिचालन रद्द रहेगा। इसी प्रकार, गाड़ी संख्या 12022 बड़बिलझहावड़ा जनशताब्दी एक्सप्रेस 15 जुलाई को बड़बिल के बजाय टाटानगर स्टेशन से ही रवाना होगी। इस कारण बड़बिल से टाटानगर के बीच ट्रेन का परिचालन निरस्त रहेगा।

बालिकाओं के भविष्य की ओर साहिबगंज का सशक्त कदम

मासिक धर्म, स्वच्छता, बाल विवाह उन्मूलन व महिला सुरक्षा को लेकर किया गया जागरूक

– कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने का संदेश

संवाददाता

साहिबगंजःमहिलाओं व किशोरियों के समग्र विकास शिक्षा स्वास्थ्य सुरक्षा सशक्तिकरण को प्राथमिकता देते हुए जिला समाज कल्याण पदाधिकारी साहिबगंज के मार्गदर्शन में राजमहल प्रखंड अंतर्गत +2 उच्च विद्यालय मंगलहाट व पंचायत भवन तीनपहाड़ में व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ बाल विवाह मुक्त भारत और सखी वन स्टॉप सेंटर से संबंधित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।उपस्थित अधिकारियों ने किशोरियों को उनके संवैधानिक अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, पोषण, मासिक धर्म स्वच्छता, आत्मविश्वास एवं आत्मनिर्भरता के महत्व से अवगत कराया। साथ ही बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के दुष्परिणामों पर प्रकाश डालते हुए इसके विरुद्ध सजग एवं जागरूक रहने का आह्वान किया गया। यह भी बताया गया कि महिलाओं व बालिकाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार की हिंसा, उत्पीड़न अथवा संकट की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर के माध्यम से चिकित्सा सहायता कानूनी परामर्श मनोसामाजिक परामर्श अस्थायी आश्रय व अन्य आवश्यक सहायता एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाती है।मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण किया गया तथा उन्हें सुरक्षित एवं स्वच्छ मासिक धर्म प्रबंधन अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने समाज में व्याप्त कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक नागरिक की भूमिका निभाने का संदेश भी दिया गया।इस अवसर पर पूनम कुमारी, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी मो। खालिद, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी , साहिबगंज, चंदा कुमारी, प्रोटेक्शन ऑफिसर, विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षकगण व अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।सभी अधिकारियों ने संयुक्त रूप से कहा कि शिक्षित,स्वस्थ,सुरक्षित एवं आत्मनिर्भर बालिका ही सशक्त समाज और विकसित राष्ट्र की आधारशिला है। उन्होंने किशोरियों से सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने, शिक्षा को प्राथमिकता देने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने। सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाने का आह्वान किया।

दुमका सीतपहाड़ी सड़क निर्माण की प्रक्रिया तेज , सर्वे शुरू

संवाददाता

काठीकुंड (दुमका): काठीकुंड प्रखंड के ग्रामीण इलाकों की वर्षों पुरानी सड़क समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू हो गई है। जानकारी के मुताबिक पथ निर्माण विभाग द्वारा पीडब्लूडी रोड चंद्रपुरा से पीडब्लूडी रोड बाघशोला तक 5 किलोमीटर तथा पीडब्लूडी मंगलपुर से पीडब्लूडी सीतपहाड़ी वाया कोदालछोला (कदमा) तक 8 किलोमीटर सड़क निर्माण के लिए सर्वे का कार्य प्रारंभ कर दिया है। जानकारी के अनुसार दोनों सड़कें 5.5 मीटर चौड़ाई में बनाई जाएंगी। इन दोनों परियोजनाओं के धरातल पर आने से न केवल ग्रामीणों को जर्जर सड़क से राहत मिलेगी, बल्कि काठीकुंड, शिकारीपाड़ा और दुमका के बीच संपर्क भी पहले से अधिक सुगम होगा। लंबे समय से उठ रही थी सड़क निर्माण की मांगः चंद्रपुरा-बाघशोला और मंगलपुर-सीतपहाड़ी मार्ग लंबे समय से जर्जर अवस्था में हैं। बरसात के दिनों में इन सड़कों पर आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। जगह-जगह गड्ढे और बोल्डर निकल आने के कारण वाहन चालकों,

विद्यार्थियों, मरीजों और किसानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। स्थानीय ग्रामीण कई वर्षों से इन सड़कों के निर्माण की मांग जनप्रतिनिधियों और प्रशासन के समक्ष उठाते रहे हैं। अब सर्वे शुरू होने से लोगों में सड़क निर्माण की उम्मीद जगी है। इन गांवों को मिलेगा सीधा लाभः चंद्रपुरा-बाघशोला सड़क बनने से चंद्रपुरा, रांगामटिया, चांदोपानी, बाघशोला और मोहनपुर सहित आसपास के गांवों के लोगों को बेहतर सड़क सुविधा मिलेगी। यह मार्ग काठीकुंड प्रखंड को शिकारीपाड़ा प्रखंड के कई गांवों से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग भी है। वहीं मंगलपुर-सीतपहाड़ी वाया कदमा सड़क बनने से मंगलपुर, लखनपुर, आस्ताजोड़ा, कर्णपुरा, कदमा, भिटरा सहित कई गांवों के लोगों का दुमका और शिकारीपाड़ा की ओर आवागमन आसान होगा।

कृषि गतिविधियों को मिलेगा बढ़ावाः सड़क बनने से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा होगी। परिवहन लागत घटेगी और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलेगी। स्थानीय दुकानदारों, छोटे व्यवसायियों तथा सार्वजनिक परिवहन संचालकों को भी इसका लाभ मिलने की संभावना है। अच्छी सड़क बनने से स्कूल-कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों, मरीजों और गर्भवती महिलाओं को विशेष राहत मिलेगी। आपातकालीन स्थिति में एंबुलेंस की आवाजाही भी पहले की तुलना में अधिक सुगम हो सकेगी। ग्रामीणों में जागी उम्मीदः विभागीय प्रक्रिया के तहत वर्तमान में सड़क का सर्वे किया जा रहा है। सर्वे पूरा होने के बाद विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार किया जाएगा। इसके बाद प्रशासनिक स्वीकृति, निविदा और निर्माण कार्य की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। सर्वे कार्य शुरू होने की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के लोगों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होकर समय पर पूरा हो जाता है तो वर्षों से चली आ रही सड़क की समस्या समाप्त हो जाएगी और क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। क्या कहना है विधायक काः बिजली, सड़क और पानी की समस्या को अपने विधानसभा क्षेत्र में दूर करना प्राथमिकता है। इन दोनों सड़कों की समस्या को लेकर क्षेत्र भ्रमण के साथ ही ग्रामीणों के द्वारा भी समस्या संज्ञान में थी। लगातार इस विषय पर लगा रहा। सड़क निर्माण की अनुशंसा को लेकर लगातार पत्राचार करता रहा हूं, जिसका परिणाम है कि आज सड़को के निर्माण को लेकर प्रकिया तेज कर दी गयी है। आलोक कुमार सोरेन, विधायक, शिकारीपाड़ा विधानसभा

बाढ़ को लेकर प्रशासन अलर्ट, तैयारी शुरू

संवाददाता

साहिबगंजः गंगा नदी के जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि को देखते हुए साहिबगंज अंचल प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए अंचल अधिकारी ने कमर कस ली है और राहत व बचाव कार्यों की तैयारी तेज कर दी है। अंचल कार्यालय के जारी निर्देश अनुसार संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पीड़ित परिवारों के लिए पंचायत स्तर पर राहत शिविर तैयार किए जा रहे हैं। इन शिविरों में शौचालय, निर्बाध विद्युत आपूर्ति और शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाएं होंगी। पशुओं की सुरक्षा को लेकर अंचल अधिकारी ने सभी संबंधित जनप्रतिनिधियों प्रमुख, उप प्रमुख, मुखिया और पंचायत समिति सदस्यों को निर्देश दिया है कि वे बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशु राहत शिविरों को भी पूरी तरह चुस्त-दुरुस्त रखें ताकि समय रहते मवेशियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुँचाया जा सके। बाढ़ प्रबंधन की तैयारी का जायजा लेने के लिए अंचल निरीक्षकों और राजस्व उप निरीक्षकों को कार्यस्थल पर नजर रखने को कहा गया है। अंचल अधिकारी ने निर्देश दिया है कि संबंधित अधिकारी राहत शिविरों की स्थिति का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर अंचल कार्यालय को जल्द से जल्द उपलब्ध कराएं ताकि इसकी सूचना अपर समाहर्ता को दी जा सके।

उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित आज से साहिबगंज में होगा सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल व ब्लैकआउट का अभ्यास

नागरिक सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने आपदा प्रबंधन क्षमता परखने एवं जन–जागरूकता बढ़ाने की दिशा में जिला प्रशासन की महत्वपूर्ण पहल

संवाददाता

साहिबगंजः विकास भवन सभागार में अपर समाहर्ता विजय कुमार की अध्यक्षता में कल आयोजित होने वाले सिविल डिफेंस एयर रेड ब्लैकआउट मॉक एक्सरसाइज के सफल आयोजन को लेकर अंतिम उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए अपर समाहर्ता ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के आलोक में बुधवार को जिले में व्यापक स्तर पर सिविल डिफेंस मॉक ड्रिल एयर रेड ब्लैकआउट अभ्यास आयोजित किया जाएगा। इस अभ्यास का उद्देश्य किसी भी हवाई हमले खतरे अथवा अन्य आपातकालीन परिस्थिति में नागरिकों की सुरक्षा प्रशासन की त्वरित

प्रतिक्रिया विभिन्न एजेंसियों के समन्वय की प्रभावशीलता का परीक्षण करना है।उन्होंने कहा कि आधुनिक समय में आपदा एवं आपात परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए केवल प्रशासन ही नहीं बल्कि प्रत्येक नागरिक का जागरूक एवं प्रशिक्षित होना आवश्यक है। यह मॉक ड्रिल नागरिकों में सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने तथा संकट की घड़ी में सही निर्णय लेने की क्षमता को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।जिले में यह अभ्यास संध्या महाविद्यालय साहिबगंज, प्रखंड कार्यालय परिसर साहिबगंज तथा साहिबगंज रेलवे स्टेशन परिसर में अपराह्न 4:00 बजे से अपराह्न 9:00 बजे के बीच आयोजित किया जाएगा, जहाँ विभिन्न आपातकालीन परिस्थितियों का वास्तविक वातावरण तैयार कर राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन किया जाएगा।बैठक में अपर समाहर्ता ने सभी संबंधितों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से मॉक ड्रिल संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अभ्यास के दौरान नागरिकों को सायरन प्रणाली, सुरक्षित स्थानों तक निकासी, प्राथमिक उपचार, राहत एवं बचाव कार्य तथा आपदा के समय अपनाए जाने वाले आवश्यक सुरक्षा उपायों की जानकारी दी जाएगी।

मॉक ड्रिल की प्रमुख गतिविधियांः हवाई हमले की चेतावनी के संकेत स्वरूप सायरन का संचालन,निर्धारित अवधि के लिए ब्लैकआउट अभ्यास, जिसके दौरान नागरिकों से बिजली, इन्वर्टर एवं कृत्रिम प्रकाश स्त्रोतों का उपयोग नहीं करने का अनुरोध किया जाएगा,चिन्हित सुरक्षित स्थानों तक नागरिकों की निकासी प्रक्रिया का व्यावहारिक अभ्यास।जिला पुलिस, होमगार्ड, एनसीसी, एनएसएस और स्वयंसेवी संगठनों की सक्रिय सहभागिता, रियल-टाइम मॉनिटरिंग हेतु शैडो कंट्रोल रूम की स्थापना,

ड्रोन एंव विडियोग्राफी के माध्यम से ब्लैकआउट एवं संपूर्ण अभ्यास की निगरानी,संपूर्ण मॉक ड्रिल की वीडियो रिकॉर्डिंग,चिन्हित स्थल जहां मॉक ड्रिल होगा।

प्रखंड कार्यालय साहिबगंज 4 बजे अपराह्न ,संध्या कॉलेज साहिबगंज 4 बजे अपराह्न, साहिबगंज रेलवे स्टेशन 8 बजे अपराह्न,बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी साहिबगंज अमर जॉन आईन्द, सिविल सर्जन डॉ। रामदेव पासवान, कार्यपालक दंडाधिकारी प्रमोद आनंद सहित विभिन्न विभागों के संबंधित पदाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

लारा दत्ता ने प्रियंका चोपड़ा संग शेयर कीं खास तस्वीरें

बॉलीवुड की दो खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्रियां प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता एक बार फिर साथ नजर आईं। दोनों की मुलाकात ने फैंस को उनकी पुरानी दोस्ती की याद दिला दी। लारा दत्ता ने अपनी इस खास मुलाकात की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कीं और बताया कि इतने सालों बाद भी उनकी दोस्ती पहले जैसी ही मजबूत है। लारा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर प्रियंका के साथ एक प्यारी सी तस्वीर शेयर की। इस फोटो में दोनों अभिनेत्रियां काफी खुश नजर आ रही थीं। तस्वीर के साथ लारा ने लिखा, '26 साल बाद भी, खुश लड़कियां अभी भी...' और इसके साथ दिल वाले इमोजी भी लगाए। प्रियंका चोपड़ा ने भी लारा के साथ अपनी तस्वीर शेयर की और लिखा, 'अपनी लड़की से मिलकर बहुत अच्छा लगा। ' दोनों की यह मुलाकात सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रही। तस्वीरों में प्रियंका लारा के कंधे पर हाथ रखकर पोज देती नजर आईं। दोनों का स्टाइलिश अंदाज भी फैंस को काफी पसंद आया। प्रियंका जहां सफेद आउटफिट में बेहद खूबसूरत लग रही थीं, वहीं लारा ने नीली ड्रेस के साथ सफेद श्रग और हैट पहन रखा था। प्रियंका और लारा की दोस्ती काफी पुरानी है। दोनों ने करीब 26 साल पहले एक साथ अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2000 में प्रियंका चोपड़ा ने मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था, जबकि लारा दत्ता ने मिस यूनिवर्स का ताज अपने नाम किया था। इसके बाद दोनों ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी अलग पहचान बनाई। दोनों अभिनेत्रियों ने फिल्मों में भी साथ काम किया है। उनकी पहली फिल्म 'अंदाज' (2003) थी, जिसमें अक्षय कुमार भी मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म दोनों के बॉलीवुड करियर के शुरुआती दौर की अहम फिल्म रही। इसके बाद दोनों साल 2011 में आई फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 2' में भी साथ नजर आईं। इस फिल्म में प्रियंका ने रोमा का किरदार निभाया था जबकि लारा ने आयशा के रोल में स्पेशल अपीयरेंस दिया था। हाल ही में, प्रियंका चोपड़ा और लारा दत्ता विंबलडन में एक साथ नजर आई थीं, जहां इस ग्लोबल स्टार ने प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में स्टाइलिश अंदाज़ में शिरकत की। 'बेवॉच' एक्ट्रेस ने विमेंस सिंगल्स सेमी-फाइनल मैच देखा और स्टैंड्स से इस रोमांचक मुकाबले का मजा लिया। मैच के दौरान प्रियंका ने अपने पति निक जोनस से फेसटाइम कॉल पर बात करके उनके साथ एक प्यारा पल भी साझा किया।

12-14 घंटे तक नकारात्मक किरदार में रहना आसान नहीं : जयति भाटिया

टीवी अभिनेत्री जयति भाटिया लंबे समय से छोटे पर्दे पर दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं, लेकिन नकारात्मक भूमिकाओं में उनकी पहचान सबसे ज्यादा मजबूत रही है। इन दिनों वह टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं। पर्दे पर खलनायिका का किरदार निभाना जितना आसान दिखाई देता है, असल में उसे घंटों तक जीना किसी कलाकार के लिए बड़ी चुनौती है। जयति भाटिया ने इसी अनुभव को साझा किया। उन्होंने बताया कि डेढ़ साल से ज्यादा समय तक एक नकारात्मक किरदार निभाना उनके करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभवों में से एक रहा है। टीवी शो 'जाने अनजाने हम मिले' में शारदा उर्फ शालिनी बत्रा का किरदार निगेटिव है।

अभिनेत्री ने बताया कि कहानी में जैसे-जैसे नए मोड़ आते गए, वैसे-वैसे शारदा का नकारात्मक पक्ष भी मजबूत होता गया। ऐसे में रोजाना 12 से 14 घंटे तक उसी सोच और भावनाओं के साथ काम करना एक बड़ी चुनौती बन गया। उन्होंने कहा, ''पिछले डेढ़ साल से ज्यादा समय से इस किरदार को निभाना मेरे अभिनय सफर का बेहद खास हिस्सा रहा है। हर नए एपिसोड और हर नए ट्रैक के साथ शारदा का स्वभाव और ज्यादा चालाक, साजिश करने वाला और नकारात्मक होता गया। ऐसे में हर दिन 12 से 14 घंटे तक उसी मानसिक स्थिति में बने रहना आसान नहीं होता।

रोरिंग स्टार श्रीमुरली की धमाकेदार एंट्री

पराक टीज़र ने पूरे देश में मचाई हलचल

मुंबई रोरिंग स्टार श्रीमुरली की बहुप्रतीक्षित एक्शन फिल्म पराक का आधिकारिक टीज़र 13 जुलाई को रिलीज होते ही पूरे देश में जबरदस्त उत्साह पैदा कर गया। बघीरा के बाद यह उनकी अगली बड़ी फिल्म है, और टीज़र ने सोशल मीडिया पर धूम मचा दी है। दर्शक फिल्म के भव्य स्तर, दमदार एक्शन और श्रीमुरली के शानदार बदलाव की जमकर सराहना कर रहे हैं। यह फिल्म पूरे भारत में रिलीज होने वाली है, जिससे श्रीमुरली का दमदार अंदाज हर दर्शक तक पहुंचेगा। दक्षिण भारतीय सिनेमा के प्रमुख सितारों में गिने जाने वाले श्रीमुरली ने अपनी पहचान मेहनत, निरंतरता और प्रभावशाली अभिनय से बनाई है। उनकी सुपरहिट फिल्म उग्रम ने कन्नड़ एक्शन सिनेमा को नई दिशा दी और उन्हें इंडस्ट्री के भरोसेमंद एक्शन हीरो के रूप में स्थापित किया। मुफ़्ती, भराटे और बघीरा जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा और समर्पण को बार-बार साबित किया है।

पराक के टीज़र में श्रीमुरली एक बिल्कुल नए और प्रभावशाली अवतार में नजर आ रहे हैं। दमदार फिटनेस, रफ लुक और गहरी स्क्रीन उपस्थिति के साथ वह पहले से कहीं अधिक सशक्त और आकर्षक दिख रहे हैं। उनका यह शारीरिक परिवर्तन और ऊर्जावान एक्शन दृश्य टीज़र की सबसे बड़ी खासियत बन गए हैं, जिसकी दर्शक खुलकर सराहना कर रहे हैं। निर्देशक हलेश कोगुंडी कहते हैं, 'बचपन से ही मुझे एक्शन फिल्मों का बहुत शौक रहा है। मैड मैक्स जैसी फिल्मों ने मुझे प्रेरित किया कि अगर मैं फिल्म निर्माता बनूं, तो एक्शन फिल्में ही बनाऊं। मेरे लिए एक्शन सिर्फ लड़ाई या दृश्य प्रदर्शन नहीं है, यह कहानी कहने का माध्यम भी है। मैं मानवीय भावनाओं, आंतरिक संघर्षों और अपने अनुभवों को दिखाना चाहता हूं। यह एक पात्र केंद्रित कहानी है, जहां हर एक्शन दृश्य पात्रों के निर्णय और उनकी भावनात्मक यात्रा से स्वाभाविक रूप से जुड़ा है।

● जब तक आप नहीं जाओगे

मैं नहीं बैठूंगी

● सोनाक्षी सिन्हा ने जमकर लगाई पैपराजी को फटकार, कहा-

सोनाक्षी मुंबई में नवविवाहित आकांक्षा रंजन और डायरेक्टर शरण शर्मा की वेडिंग रिसेप्शन में शामिल होने पहुंची थीं। इस दौरान उनके कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, लेकिन एक खास वीडियो ने सबका ध्यान खींच लिया।

क्या हुआ वीडियो में?

वीडियो में देखा जा सकता है कि जब सोनाक्षी रिसेप्शन से निकलकर अपनी कार में बैठने जा रही थीं, तब पैपराजी लगातार उनकी फोटो और वीडियो ले रहे थे। इस पर सोनाक्षी ने कार में बैठने से मना कर दिया और वहीं खड़ी रहीं। उन्होंने पैपराजी से कहा, 'बस गाइज, अभी गाड़ी के अंदर नहीं आना है। हो गया। थैंक यू। बाय। गुड नाइट।' जब इसके बाद भी फोटोग्राफर नहीं हटे, तो सोनाक्षी ने साफ कहा, 'जब तक आप नहीं जाओगे, मैं नहीं बैठूंगी।' आखिरकार, जब पैपराजी पीछे हटे और रिकॉर्डिंग बंद की, तब जाकर सोनाक्षी अपनी कार में बैठीं।

पहले भी जता चुकी हैं नाराजगी

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी ने पैपराजी को लेकर नाराजगी जताई हो। कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैपराजी को फटकार लगाई थी, जब वे उनके माता-पिता शत्रुघ्न सिन्हा और पूनम सिन्हा के बहुत करीब आ गए थे और उन्हें कार में बैठने की जगह नहीं दे रहे थे। उस समय सोनाक्षी अपने पति जहीर इकबाल और माता-पिता के साथ डिनर के बाद बाहर निकली थीं।

हाल ही में वह प्राइम वीडियो की फिल्म 'सिस्टम' में दिखाई दी थीं, जिसे अश्विनी अय्यर तिवारी ने डायरेक्ट किया है और इसमें ज्योतिका और आशुतोष गोवारिकर भी अहम भूमिका में हैं। आने वाले समय में सोनाक्षी 'दहाड़' सीजन 2 में नजर

अक्षर के ऑलराउंड प्रदर्शन से भारत ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया, सीरीज में बनाई बढ़त

एजेंसी

बर्मिंघम : ऑलराउंडर अक्षर पटेल के शानदार हरफनमौला प्रदर्शन और शुभमन गिल व वॉशिंगटन सुंदर की बेहतरीन अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत ने पहले वनडे में इंग्लैंड को 6 विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। एजबेस्टन में खेले गए मुकाबले में भारत ने 259 रन का लक्ष्य 45.2 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। रोहित शर्मा (11) और विराट कोहली (5) सस्ते में पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर (35) ने तीसरे विकेट के लिए 101 रन जोड़कर पारी संभाली। गिल ने 80 रन की शानदार पारी खेली, लेकिन क्रैम्प्स के कारण रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चले गए। श्रेयस रन आउट हुए और केएल राहुल बोल्ड हो गए।

इसके बाद अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर ने संयम और आक्रामकता का बेहतरीन मिश्रण दिखाते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 102 रन की साझेदारी की। अक्षर ने नाबाद 57 रन, जबकि सुंदर ने नाबाद 52 रन बनाए। सुंदर ने आदिल रशीद पर विजयी छक्का लगाकर अपना अर्धशतक भी पूरा किया और भारत को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड ने 47.5 ओवर में 258 रन बनाए। एक समय मेजबान टीम बिना किसी नुकसान के 61 रन बना चुकी थी, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने शानदार वापसी करते हुए 19 रन के भीतर पांच विकेट झटक दिए। संकट में फंसी इंग्लैंड की पारी को जो रूट (76) और लियाम डॉसन (68) ने संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 121 रन जोड़कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। भारत की ओर से गेंदबाजी में भी अक्षर पटेल ने कमाल किया और 4 विकेट अपने नाम किए। प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार ने दो-दो विकेट लिए, जबकि जसप्रीत बुमराह और शिवम दुबे को एक-एक सफलता मिली।

अक्षर ने बनाया खास रिकॉर्ड

इस मुकाबले में अक्षर पटेल ने बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन करते हुए इतिहास रच दिया। वह वनडे क्रिकेट में एक ही मैच में 50 से अधिक रन बनाने और 4 विकेट लेने वाले भारत के छठे पुरुष क्रिकेटर बन गए। उनसे पहले हार्दिक पंड्या ने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर वनडे में यह उपलब्धि हासिल की थी। भारत की इस जीत के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज में मेहमान टीम ने 1-0 की बढ़त बना ली है। अगले मुकाबले में टीम इंडिया सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी, जबकि इंग्लैंड वापसी की कोशिश करेगा।

स्पेन ने लगातार 37 मैचों तक अजेय रहकर की इटली के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी

डलास : फीफा विश्व कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस को 2-0 से हराने के साथ ही स्पेन ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में इतिहास रच दिया। इस जीत के बाद स्पेन ने 37 मैचों तक अजेय रहने के इटली के सर्वकालिक रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। स्पेन की ओर से मिकेल ओयारजाबाल और पेड्रो पोरो ने गोल किए। इस जीत के साथ मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने विश्व कप फाइनल में जगह बना ली, जहां उसका सामना रविवार को न्यू जर्सी में अर्जेंटीना और इंग्लैंड के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

इटली के रिकॉर्ड की बराबरी

स्पेन ने लगातार 37 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में हार का सामना नहीं किया है। इसके साथ ही उसने इटली के 2018 से 2021 के बीच बनाए गए 37 मैचों के अपराजेय रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

स्पेन अब फाइनल जीतकर 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब अपने नाम करने की दहलीज पर है।

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा मैचों में अजेय रहने वाली टीमें

इटली - 37 मैच (2018 से 2021)
स्पेन - 37 मैच (2024 से अब तक)
अर्जेंटीना - 36 मैच (2019 से 2022)
अल्जीरिया झ 35 मैच (2018 से 2021)
स्पेन - 35 मैच (2007 से 2009)
ब्राजील - 35 मैच (1993 से 1996)
मोरक्को - 34 मैच (2025 से 2026)

अब स्पेन के पास फाइनल में जीत हासिल कर नया इतिहास रचने और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल की सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला का नया विश्व रिकॉर्ड अपने नाम करने का सुनहरा अवसर होगा।

फीफा विश्व कप 2026 : स्पेन ने फ्रांस को हराकर फाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

डलास : मौजूदा यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फ्रांस को मंगलवार को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। टूर्नामेंट की दो सबसे मजबूत टीमों के बीच खेले गए इस बहुप्रतीक्षित सेमीफाइनल में स्पेन ने शुरूआत से अंत तक दबदबा बनाए रखा, जबकि फ्रांस की टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी।

अब स्पेन का सामना रविवार को फाइनल में इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। दूसरी ओर फ्रांस अब तीसरे स्थान के मुकाबले में खेलेगा, जो मुख्य कोच दिदिएर डेशां के 14 वर्षीय कार्यकाल का अंतिम मैच भी होगा।

पहले और दूसरे हाफ में दागे गोल

स्पेन ने पहले हाफ में बढ़त बनाई, जब मिकेल ओयारजाबाल ने पेनाल्टी को गोल में बदल दिया। यह पेनाल्टी तब मिली जब फ्रांस के लुकास डिन ने लामिन यामाल को गेंद क्लियर करने के प्रयास में फाउल कर दिया।

दूसरे हाफ में दानी ओल्मो के बेहतरीन मूव पर पेड्रो पोरो ने शानदार फिनिश करते हुए दूसरा गोल दागा और स्पेन की जीत लगभग तय कर दी।

फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह रहा बेअसर

पूरे मुकाबले में फ्रांस की टीम स्पेनिश रक्षा पंक्ति को नहीं तोड़ सकी। कप्तान किलियन एमबाप्पे पूरी तरह स्पेन के खिलाड़ियों की पकड़ में रहे, जबकि बैलन डी'ओर विजेता उस्मान डेम्बेले भी कोई प्रभाव नहीं छोड़ सके।दूसरा गोल खाने तक फ्रांस केवल दो शॉट ही लगा पाया था और उनमें से एक भी निशाने पर नहीं था। टीम के सबसे प्रभावशाली रचनात्मक खिलाड़ी माइकल ओलिसे को भी 72वें मिनट में मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे साफ हो गया कि फ्रांस का आक्रमण पूरी तरह विफल रहा।

स्पेन ने लगातार तीसरी बार फ्रांस को हराया

स्पेन ने लगातार तीसरी बड़ी प्रतियोगिता में फ्रांस को हराया है। इससे पहले उसने यूरो 2024 के सेमीफाइनल और 2025 नेशंस लीग के सेमीफाइनल में भी फ्रांस को मात दी थी।

इसके साथ ही स्पेन का सभी प्रतियोगिताओं में अपराजेय अभियान 37 मैचों तक पहुंच गया, जो किसी भी यूरोपीय देश की संयुक्त रूप से सबसे लंबी अपराजेय श्रृंखला है। अब स्पेन 2010 की तरह यूरोपीय चैम्पियनशिप और विश्व कप दोनों खिताब जीतने की दहलीज पर खड़ा है। कोच ने कहा-दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम है स्पेन

स्पेन के मुख्य कोच लुइस डे ला फुएंते ने जीत के बाद कहा,₹हमने लगभग चार साल पहले एक सोच के साथ शुरूआत की थी और आज तक उसी पर कायम हैं। उसी सोच ने हमें यहां तक पहुंचाया है। आज हमने दुनिया की सबसे मजबूत टीमों में से एक का सामना किया, लेकिन उनके सामने दुनिया की सबसे बेहतरीन टीम थी। यही सबसे बड़ा अंतर रहा। उन्होंने खिलाड़ियों की तारीफ करते हुए कहा, ₹ये खिलाड़ी हर सम्मान के हकदार हैं। उन्होंने हर दिन अपनी प्रतिबद्धता, एकजुटता, उदारता और प्रतिभा का परिचय दिया है। ये खिलाड़ी मुश्किल काम को भी आसान बना देते हैं।

रिमोट आधारित हाइड्रोलिक रथ पर विराजेंगे भगवान जगन्नाथ

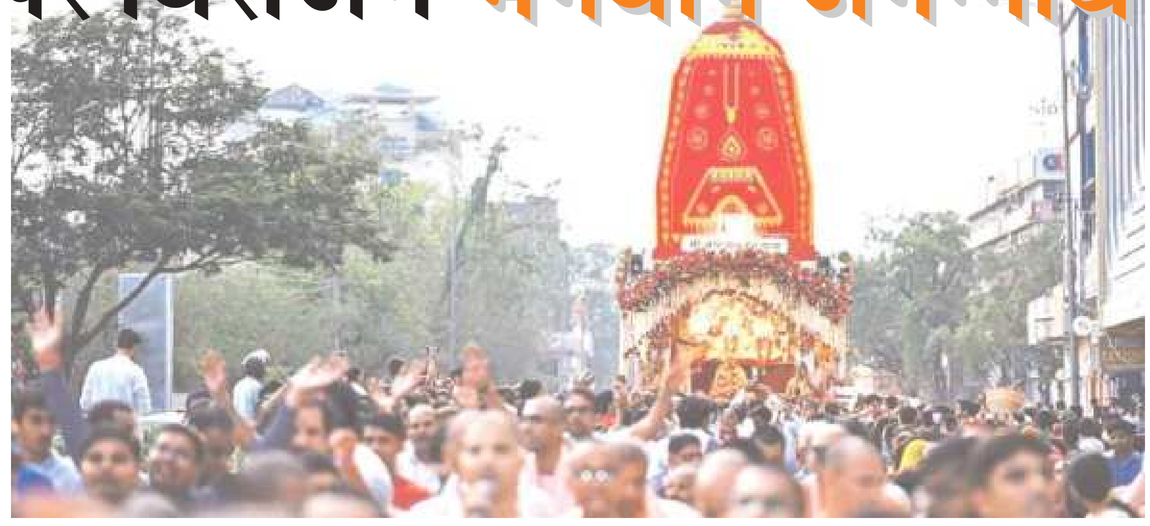

एजेंसी

जयपुर : भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की भव्य रथयात्रा गुरुवार को जयपुर में श्रद्धा और उल्लास के साथ निकाली जाएगी। गुप्त वृन्दावन धाम की ओर से आयोजित इस रथयात्रा में भगवान विशेष रिमोट आधारित हाइड्रोलिक रथ पर सवार होकर नगर भ्रमण करेंगे। आयोजकों का दावा है कि पुरी की तर्ज पर आयोजित होने वाली इस यात्रा में शहरभर से लाखों श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। पूरे मार्ग पर ₹जय जगन्नाथ₹ के उद्घोष से गुलाबी नगरी भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगी। गुप्त वृन्दावन धाम के अध्यक्ष अमितासना दास ने बताया कि भगवान जगन्नाथ के लिए विशेष रूप से रिमोट आधारित हाइड्रोलिक रथ तैयार किया गया है। इसकी सबसे बड़ी विशेषता यह है कि मार्ग में आने वाले बिजली के तारों से सुरक्षित निकासी के लिए रथ की ऊंचाई आवश्यकता अनुसार कम या अधिक की जा सकेगी। रथ को पुरी की परंपरा के अनुरूप लाल और पीले रंग के विशेष वस्त्रों से सजाया गया है। रथयात्रा जयपुर होटल से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री शिव सत्संग भवन, रामनिवास बाग पहुंचेगी, जहां महाआरती के साथ यात्रा का समापन होगा। यात्रा के दौरान भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। आयोजकों के अनुसार परंपरा के निर्वहन में रथयात्रा से एक दिन पूर्व जयपुर के विभिन्न मंदिरों में विशेष मंदिर मार्जन सेवा (मंदिरों की सफाई) भी की जाएगी। अमितासना दास ने बताया कि भगवान श्रीकृष्ण वृन्दावनवासियों के निष्काम प्रेम को देखकर भावविभोर हो गए थे। उसी दिव्य प्रेम की स्मृति में प्रतिवर्ष रथयात्रा का आयोजन किया जाता है। धार्मिक मान्यता है कि रथ पर विराजमान भगवान जगन्नाथ के दर्शन और आशीर्वाद प्राप्त करने से मनुष्य पापों से मुक्त होकर भगवान के दिव्य प्रेम की अनुभूति

मोदी-योगी सरकार की नंदनी योजना से प्रयागराज की शकुंतला देवी बनीं स्वरोजगार की मिसाल

एजेंसी

प्रयागराज : केंद्र की मोदी सरकार और उत्तर प्रदेश की योगी सरकार द्वारा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में संचालित नंदनी योजना ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार से जोड़ने का माध्यम बन रही है। प्रयागराज जनपद के उरुवा विकास खंड के परानीपुर उपहार गांव की निवासी शकुंतला देवी, पत्नी देवेंद्र सिंह, इस योजना का लाभ लेकर डेयरी व्यवसाय की शुरूआत कर चुकी हैं। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी, प्रयागराज, डॉ. शिवनाथ यादव ने बुधवार को बताया कि नंदनी योजना की कुल लागत 62 लाख रुपये है। वर्ष 2025 में

25 गायों के साथ शुरू की डेयरी

शकुंतला देवी का इस योजना के लिए चयन हुआ। योजना के तहत उन्होंने बैंक से ऋण लेकर पहले डेयरी की आवश्यक आधारभूत संरचना तैयार की। इसके बाद 25 दुधारू गायों की खरीद के लिए उन्हें योजना के अंतर्गत सब्सिडी उपलब्ध कराई गई, जिससे उनका डेयरी प्रोजेक्ट शुरू हो सका। शकुंतला देवी के पुत्र देवेश ने बताया कि डेयरी का संचालन शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि फिलहाल आय स्थिर होने में समय लग रहा है, लेकिन पूरा परिवार मेहनत और समर्पण के साथ इस व्यवसाय को आगे बढ़ाने में जुटा है। उन्हें विश्वास है कि आने वाले समय में डेयरी से अच्छा लाभ मिलेगा और परिवार की आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन को बढ़ावा देने, रोजगार के नए अवसर सृजित करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से संचालित नंदनी योजना का लाभ ऐसे परिवारों तक पहुंच रहा है, जो आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। प्रयागराज में शकुंतला देवी की पहल इस दिशा में एक प्रेरक उदाहरण के रूप में देखी जा रही है।

असम सरकार युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए बना रही सक्षम : मुख्यमंत्री सरमा

गुवाहाटी : असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कहा कि दक्ष और सशक्त युवा ही विकसित असम तथा विकसित भारत की मजबूत नींव हैं। मुख्यमंत्री ने अपने सोशल मीडिया संदेश में राज्य के विकास में योगदान देने वाले प्रतिभाशाली युवाओं की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने असम के 1,700 से अधिक विद्यालयों में कौशल शिक्षा का विस्तार किया है। साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को रोजगारोन्मुखी कौशल प्रदान किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि असम कौशल विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों के जरिए राज्य में कौशल विकास का मजबूत वातावरण तैयार किया गया है। डॉ. सरमा ने कहा कि असम सरकार युवाओं को वैश्विक स्तर की प्रतिस्पर्धा के लिए सक्षम बनाने और उन्हें बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

उत्तराखंड में कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 61 सड़कें बंद

एजेंसी

देहरादून : उत्तराखंड में मानसून के सक्रिय रहने के बीच मौसम विभाग ने नैनीताल, चम्पावत, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। लगातार बारिश के चलते प्रदेश में 61 सड़कें बंद हो गई हैं, जबकि अगले पांच दिनों तक भूस्खलन, चट्टान गिरने, नदी-नालों के उफान और जलभराव की आशंका को देखते हुए लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। देहरादून में बुधवार सुबह मौसम का मिजाज अचानक बदल गया। सुबह हल्की धूप के बाद करीब 10 बजे आसमान में घने बादल छा गए, जिससे शहर में बारिश की संभावना बढ़ गई। मौसम में बदलाव के कारण तापमान में हल्की गिरावट दर्ज की गई और लोगों को उमस से कुछ राहत मिली। मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून के अनुसार, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, पिथौरागढ़, चम्पावत, नैनीताल और बागेश्वर में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। शेष पर्वतीय जिलों और ऊधमसिंह नगर में भी कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है,

जबकि हरिद्वार जिले में मौसम शुष्क रहने का अनुमान है।

मौसम विभाग ने अगले पांच दिनों के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में भूस्खलन, चट्टान गिरने, पहाड़ी मार्गों के अवरुद्ध होने, नदियों-नालों के उफान और निचले इलाकों में जलभराव की आशंका व्यक्त की है। लोगों से आवश्यक होने पर ही यात्रा करने और नदी-नालों के समीप सतर्क रहने की अपील की गई है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र (एसईओसी) की बुधवार सुबह की रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में विभिन्न श्रेणियों की 61 सड़कें बंद हैं। इनमें एक राष्ट्रीय राजमार्ग, दो बीआरओ के राष्ट्रीय राजमार्ग, एक राज्य राजमार्ग, एक प्रमुख जिला मार्ग, नौ अन्य जिला मार्ग और 53 ग्रामीण सड़कें शामिल हैं। संबंधित विभागों की ओर से मार्ग खोलने का कार्य जारी है।

नई तकनीक का उद्देश्य सीखने को सरल और प्रभावी बनाना होना चाहिए : प्रो. विनय कुमार पाठक

कानपुर : नई तकनीक का उद्देश्य केवल पढ़ाई को डिजिटल बनाना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए सीखने को अधिक सरल, प्रभावी और उपयोगी बनाना होना चाहिए। शिक्षा से जुड़े शोध विश्वविद्यालयों की शोध संस्कृति को मजबूत करने के साथ भारत की वैश्विक शैक्षणिक पहचान को भी सशक्त बनाते हैं।₹ यह बातें मंगलवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने विश्वविद्यालय के एक शोध के प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका में प्रकाशित होने पर कहीं। विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग के शोधकर्ताओं के अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिका एनल्स ऑफ न्यूरोसाइंसेज में प्रकाशित किया गया है। अध्ययन में वर्ष 2021 से 2025 के बीच दुनिया भर में प्रकाशित 1600 से अधिक शोध पत्रों का विश्लेषण कर यह समझने का प्रयास किया गया कि डिजिटल शिक्षा को विद्यार्थियों के लिए अधिक प्रभावी, सरल और उपयोगी कैसे बनाया जा सकता है। शोध में पाया गया कि यदि अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता के अनुरूप सरल, व्यवस्थित और चरणबद्ध तरीके से प्रस्तुत किया जाए तो विषय को समझना और लंबे समय तक याद रखना अधिक आसान हो जाता है। अध्ययन के अनुसार डिजिटल शिक्षा भविष्य की सबसे बड़ी ताकत बनकर उभर रही है, लेकिन उसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि तकनीक का उपयोग विद्यार्थियों की आवश्यकताओं के अनुरूप किस प्रकार किया जाता है। अध्ययन में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, चीन और सिंगापुर सहित कई देशों में इस विषय पर हुए शोधों का भी विश्लेषण किया गया।

सुक्खू सरकार को घेरने के लिए भाजपा लाएगी चार्जशीट, 13 सदस्यों की बनाई कमेटी

एजेंसी

शिमला : हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सुक्खू सरकार को घेरने की रणनीति के तहत भारतीय जनता पार्टी ने 13 सदस्यीय प्रदेश स्तरीय चार्जशीट कमेटी का गठन किया है। इस समिति में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल, नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर, सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, राज्यसभा सांसद प्रो. सिकंदर कुमार, राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन, विधायक सतपाल सिंह सत्ती, रणधीर शर्मा, विक्रम ठाकुर, सुधीर शर्मा, बलवीर वर्मा, प्रदेश महामंत्री पायल वैद्य, विधायक त्रिलोक जमवाल और वरिष्ठ प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक राजेंद्र राणा को शामिल किया गया है। भाजपा का कहना है कि यह समिति कांग्रेस सरकार के साढ़े तीन साल के कार्यकाल का विस्तृत आकलन कर उसकी कथित नाकामियों का दस्तावेज तैयार करेगी।भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल में जनता का विश्वास तोड़ा है और विकास कार्य प्रभावित हुए हैं। उनके अनुसार सरकार के फैसलों,

चुनावी वादों, प्रशासनिक कामकाज और भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़े सभी मामलों का तथ्यात्मक संकलन कर जनता के सामने रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि भाजपा गांव-गांव और घर-घर जाकर सरकार के कामकाज को जनता के बीच ले जाएगी। डॉ. बिंदल ने कहा कि कांग्रेस सरकार को घेरा भी जाएगा और उसकी किलाबंदी भी की जाएगी। भाजपा ने चार्जशीट कमेटी के साथ एक अलग प्रदेश स्तरीय जन आंदोलन समिति का भी गठन किया है। इस समिति में डॉ. राजीव बिंदल, जयराम ठाकुर, सांसद सुरेश कश्यप, सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज, सांसद कंगना रनौत, विधायक विपिन सिंह परमार, पवन काजल, विनोद कुमार, प्रदेश उपाध्यक्ष बिहारी लाल शर्मा, विधायक राकेश जमवाल, पूर्व मंत्री गोविंद सिंह ठाकुर, पूर्व मंत्री डॉ. राजीव सैजल, प्रदेश उपाध्यक्ष रश्मिधर सूद और विधायक डी.एस. ठाकुर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। पार्टी के अनुसार यह समिति प्रदेश के सभी जिलों और विधानसभा क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान, धरना-प्रदर्शन और अन्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करेगी। डॉ. बिंदल ने कहा कि भाजपा जनता के अधिकारों, प्रदेश के विकास और सुशासन से जुड़े मुद्दों पर लगातार आवाज उठाएगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को अपने चुनावी वादों और प्रशासनिक फैसलों पर जनता के बीच जवाब देना होगा। पार्टी का कहना है कि उसका अभियान राजनीतिक गतिविधि तक सीमित नहीं रहेगा और प्रदेश से जुड़े मुद्दों को लेकर व्यापक जनसंपर्क किया जाएगा। भाजपा प्रदेश कार्यालय सचिव प्रमोद कुमार ने दोनों प्रदेश स्तरीय समितियों के गठन की अधिसूचना जारी कर दी है। इसके साथ ही पार्टी ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपने आगामी राजनीतिक अभियान की औपचारिक तैयारी शुरू कर दी है।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी ने पकड़ी रफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली : घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत भी बढ़त के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलते ही बिकवाली का झटका भी लगा। बिकवाली के दबाव से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में हल्की गिरावट भी आई, लेकिन कुछ ही देर में खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया। लिवाली का सपोर्ट मिलते ही दोनों सूचकांकों ने रफ्तार पकड़ ली। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.58 प्रतिशत और निफ्टी 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।10 बजे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट की दिग्गज कंपनियों में से

श्रीराम फाइनेंस, बजाज फाइनेंस, इंटरग्लोब एवियशन, एचडीएफसी लाइफ और बजाज ऑटो के शेयर 2.99 प्रतिशत से लेकर 1.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, टीसीएस, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज के शेयर 1.35 प्रतिशत से लेकर 0.82 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,708 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 2,096 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 612 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर सात शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 137.82 अंक की मजबूती के साथ 77,192.76 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत में ही बिकवाली का झटका लगने के कारण कुछ ही देर में यह सूचकांक गिर कर 77,072.53 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे सेंसेक्स की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही यह सूचकांक लगभग 600 अंक उछल कर 77,641.86 अंक के स्तर तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद मुनाफा वसूली के चक्कर में हुई बिकवाली के कारण इस सूचकांक की चाल में मामूली कमजोरी भी आई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 448.75 अंक की बढ़त के साथ 77,503.69 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 33.80 अंक की छलांग लगा कर 24,085.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का झटका लगने की वजह से यह सूचकांक गिर कर 24,069.05 अंक के स्तर पर आ गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले 15 मिनट के कारोबार के बाद ही निफ्टी 160 अंक से अधिक उछल कर 24,218.15 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद हुई मामूली बिकवाली के कारण इस सूचकांक की चाल में हल्की कमजोरी भी आई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 133.70 अंक की मजबूती के साथ 24,185.75 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स 561.46 अंक यानी 0.72 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,054.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 158.95 अंक यानी 0.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,052.05 अंक के स्तर पर मंगलवार के कारोबार का अंत किया था।

देवरिया: रेलवे लाइन किनारे मिले वृद्ध महिला के शव की हुई शिनाख्त, मानसिक रूप से थीं अस्वस्थ

देवरिया : उत्तर प्रदेश के देवरिया में भटनी थाना क्षेत्र में रेलवे लाइन किनारे मिले वृद्ध महिला के शव मिला पहचान के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया । भटनी थानाध्यक्ष पंकज गुप्ता ने बताया कि मृतका की शिनाख्त बनकटी गांव निवासी धगूरा देवी (70) पत्नी मुक्तिनाथ यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर मामले की जांच शुरू कर दी है। नोनापार-भटनी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक वृद्ध महिला का शव मिलने की सूचना पर भटनी पुलिस मौके पर पहुंची थी। उस समय शव की पहचान नहीं हो सकी, जिसके बाद पुलिस ने शव को मोचरी में रख कर सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों से फोटो जारी कर पहचान कराने का प्रयास किया।मंगलवार शाम को परिजनों ने सोशल मीडिया पर जारी फोटो देखकर शव की पहचान धगूरा देवी के रूप में की। परिजनों के अनुसार, धगूरा देवी शौच के लिए घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। इसके बाद परिवार के लोग लगातार उनकी तलाश कर रहे थे। परिजनों ने बताया कि धगूरा देवी मानसिक रूप से अस्वस्थ थीं और कई बार घर से भटक जाती थीं। आशंका है कि वह भटकते हुए रेलवे लाइन के किनारे पहुंच गई होंगी। हालांकि उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा। भटनी थानाध्यक्ष पंकज गुप्ता ने बताया कि शव की पहचान हो चुकी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

हमीरपुर मे दो डंपरों की भीषण टक्कर में चालक की मौत

हमीरपुर : उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बुधवार को दो डंपरों की टक्कर मे एक चालक की मौके पर मौत हो गई! सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे मे लेकर जाँच शुरू कर दी है! हमीरपुर जिले के मौदहा कस्बे के बड़ा चौराहा स्थित कानपुर सागर नेशनल हाईवे मे यह हादसा आज सुबह हुआ जिसमे दोनों डंपरों के परखच्चें उड़ गई है! कोतवाल संतोष सिंह ने बताया कि नरायच मौदहा निवासी सैदबाबू 24 वर्ष डंपर लेकर कानपुर से कबरई महोबा जा रहा था तभी सामने से आ रहे डंपर से सीधी टक्कर हो गई! टक्कर मे दोनों डंपरों के परखच्चें उड़ गई । वही चालक सैदबाबू की मौके पर मौत हो गई! हादसे के बाद हाईवे मे जाम लग गया! सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा! हाईवे से दोनों डंपरों को हटवाकर आवागमन बहाल कराया गया! बताया हादसे की जाँच कराई जा रही है!

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, भारी मात्रा में हथियार-गोला-बारूद बरामद, एक गिरफ्तार

इम्फाल : मणिपुर में सुरक्षा बलों ने विभिन्न जिलों में बीते 24 घंटे में चलाए गए अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, विस्फोटक और सैन्य सामग्री बरामद की है। वहीं, इम्फाल पूर्व जिले से एक व्यक्ति को एके-56 राइफल और अन्य हथियारों के साथ गिरफ्तार किया गया है। बुधवार को दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार, चुराचांदपुर जिले के गोथोल और के. थेनजांग गांव के जंगलों में चलाए गए अलग-अलग अभियानों में सुरक्षा बलों ने इंसास राइफल, एके राइफल, पिस्तौल, देशी बंदूकें, हैंड ग्रेनेड, आईईडी, आरपीजी गोला-बारूद, विस्फोटक, वायरलेस सेट, बुलेटप्रूफ जैकेट, हेलमेट, सैन्य उपकरण तथा बड़ी मात्रा में जिंदा और खाली कारतूस बरामद किए। इसी दौरान इम्फाल पूर्व जिले के उयुम्पोक मामांग लेइकाई निवासी सनासम इबोचा उर्फ अबोचा सिंह (42) को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से एक एके-56 राइफल, एक .32 पिस्तौल, मैगजीन तथा एके-56 के 27 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। के. थेनजांग गांव में हथियारों की बरामदगी का अभियान मणिपुर पुलिस और 19 गढ़वाल राइफल्स की संयुक्त टीम ने चलाया। इस बीच, सुरक्षा बलों ने इम्फाल पश्चिम के लांगजिंग अचौबा क्षेत्र से प्रतिबंधित संगठन केसीपी (नोंगद्रेनखोम्बा) के सक्रिय उगाहीकर्ता कैडर सागोलशेम लीशेम्बा उर्फ इबुंगो (28) को गिरफ्तार किया। उधर, 6 जुलाई को उखरूल जिले में सुरक्षा बलों पर हुए घात लगाकर हमले के आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए टीएम कासोम, लितान और सिकिबुंग क्षेत्रों में खुफिया आधारित अभियान जारी है। इस मामले में अब तक तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में खेती-किसानी, बाजार और राष्ट्रीय राजमार्ग-202 पर यातायात सामान्य रूप से जारी है।

'दम है तो ब्रिगेड भरकर दिखाइए', 21 जुलाई को लेकर 'कालीघाट तृणमूल' पर दिलीप घोष का तंज

कोलकाता : पश्चिम बंगाल में 21 जुलाई के शहीद दिवस को लेकर तृणमूल कांग्रेस के दोनों गुटों के बीच जारी राजनीतिक खींचतान के बीच राज्य के पंचायत मंत्री दिलीप घोष ने कालीघाट तृणमूल पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने चुनौती देते हुए कहा कि यदि उनके पास कार्यकताओं का समर्थन है तो ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सभा कर मैदान भरकर दिखाएं, अन्यथा घर पर शहीदों के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम करें। बुधवार सुबह इको पार्क में कार्यकताओं के साथ 'मूड़ी पार्टी' के दौरान पत्रकारों से बातचीत में दिलीप घोष ने कहा, ₹अगर हिम्मत है तो ब्रिगेड जाइए। अगर कार्यकर्ता हैं तो ब्रिगेड भरकर दिखाइए। यदि ऐसा नहीं कर सकते तो घर पर शहीदों के चित्र पर माला चढ़ाकर श्रद्धांजलि दें। 21 जुलाई तृणमूल कांग्रेस के लिए वर्षों से सबसे बड़ा राजनीतिक आयोजन रहा है। यह दिन 1993 में ममता बनर्जी की अगुवाई में हुए तत्कालीन युवा कांग्रेस के महाकरण अभियान के दौरान पुलिस गोलीबारी में 13 लोगों की मौत की स्मृति में मनाया जाता है। वर्ष 2025 तक हर साल धर्मतला में इस अवसर पर विशाल सभा आयोजित होती रही। हालांकि इस बार तृणमूल कांग्रेस में विभाजन के बाद स्थिति बदल गई है। ऋतब्रत बंद्योपाध्याय के नेतृत्व वाला गुट स्वयं को ₹असली तृणमूल₹ बताते हुए 21 जुलाई के आयोजन पर अपना अधिकार जता रहा है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाला कालीघाट गुट भी अलग कार्यक्रम की तैयारी में है। दोनों गुटों ने धर्मतला में सभा की अनुमति मांगी थी, लेकिन पुलिस ने वहां आयोजन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। इसके बाद ऋतब्रत गुट को मेयो रोड स्थित गांधी प्रतिमा के पास कार्यक्रम की अनुमति मिल गई। वहीं कालीघाट गुट को पुलिस ने ब्रिगेड परेड ग्राउंड में सभा आयोजित करने का प्रस्ताव दिया, लेकिन उसने इसे स्वीकार नहीं किया। राजनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि पार्टी में टूट के बाद ब्रिगेड मैदान भरने को लेकर अनिश्चितता इसकी प्रमुख वजह हो सकती है। इस मुद्दे पर दिलीप घोष ने कालीघाट गुट पर निशाना साधते हुए कहा कि यदि संगठन और कार्यकताओं पर भरोसा है तो ब्रिगेड में शक्ति प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि बड़ा आयोजन संभव नहीं है तो घर पर शहीदों को श्रद्धांजलि देना भी सम्मान प्रकट करने का एक तरीका है। दूसरी ओर, ममता बनर्जी पहले ही कह चुकी हैं कि यदि उपयुक्त स्थान नहीं मिला तो वह जरूरत पड़ने पर रिक्शा पर सवार होकर भी 21 जुलाई का कार्यक्रम करेंगी।

सराफा बाजार में और सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में आज भी बदलाव नहीं

नई दिल्ली : घरेलू सराफा बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में मामूली गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज शुरूआती दौर में कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सराफा बाजार में सोना आज 100 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 110 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। चेन्नई में आज सोने के भाव में 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम की गिरावट दर्ज की गई है। भाव में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सराफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,42,790 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,30,890 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,31,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

पांकी के निजी क्लीनिक में इलाज के बाद सात वर्षीय बच्चे की मौत, परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप,जांच शुरू

मेट्रोरेज संवाददाता

पांकी (पलामू): पांकी थाना क्षेत्र के गजबोर स्थित एक निजी क्लीनिक में इलाज के बाद सात वर्षीय बच्चे की मौत का मामला सामने आया है। घटना के बाद मृतक के परिजनों ने इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। वहीं क्लीनिक संचालक ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि बच्चा उनके क्लीनिक से सामान्य स्थिति में गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग ने जांच शुरू कर दी है।

मृतक की पहचान पांकी बस्ती निवासी हर्ष कुमार (7 वर्ष), पिता अमित कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार रविवार देर रात बच्चे को पेट दर्द की शिकायत होने पर पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, लेकिन राहत नहीं मिलने पर उसे गजबोर स्थित निजी क्लीनिक में भर्ती कराया गया। वहां उपचार के बाद डॉक्टर ने बच्चे के ठीक होने की बात कही और परिजन उसे घर ले गए।

परिजनों का आरोप है कि सोमवार सुबह बच्चे की तबीयत फिर बिगड़ गई और उसे दोबारा उसी क्लीनिक ले जाया गया। उस समय डॉक्टर मौजूद नहीं थे तथा स्टाफ द्वारा उपचार किया जा रहा था। उनका कहना है कि बाद में डॉक्टर पहुंचे और फिर भी बच्चे को ठीक हो जाएगा कहकर आश्वस्त किया गया। जब हालत में सुधार नहीं हुआ तो उसे एंबुलेंस से मेदिनीनगर ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि समय पर उचित इलाज और रेफर नहीं किए जाने के कारण बच्चे की जान चली गई।

वहीं क्लीनिक संचालक डॉ। गिरेंद्र कुमार मंडल ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि रविवार रात उन्होंने बच्चे का इलाज किया था, जिसके बाद उसकी हालत सामान्य हो गई थी। सोमवार सुबह दस्त की शिकायत लेकर आने पर उन्होंने अपने स्टाफ को फोन पर आवश्यक उपचार शुरू करने का निर्देश दिया और बाद में स्वयं दवा लिखी। डॉक्टर का दावा है कि उपचार के बाद बच्चा सामान्य था, उसने भोजन भी किया और अपने पैरों से चलकर क्लीनिक से बाहर गया। उन्होंने कहा कि इसकी पुष्टि क्लीनिक में लगे सीसीटीवी कैमरों से भी हो सकती है। उनके अनुसार बच्चे की मौत उनके क्लीनिक में नहीं हुई, बल्कि बाद में मेदिनीनगर ले जाने के बाद हुई।

घटना की सूचना पर अंचलाधिकारी, डीएसपी, पुलिस एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने क्लीनिक पहुंचकर जांच की। अंचलाधिकारी ने बताया कि जांच रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेजी जाएगी तथा यदि किसी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही पाई जाती है तो नियमानुसार कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि उपचार संबंधी तकनीकी पहलुओं की जांच स्वास्थ्य विभाग करेगा। डीएसपी ने कहा कि प्रशासनिक जांच जारी है। यदि जांच में क्लीनिक संचालक दोषी पाए जाते हैं तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यदि परिजन लिखित शिकायत या प्राथमिकी दर्ज कराते हैं तो पुलिस कानूनी जांच कर आगे की कार्रवाई करेगी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस को इस संबंध में कोई लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ था। घटना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी कार्रवाई की मांग की है। पांकी प्रमुख पंचम प्रसाद ने प्रथम दृष्टया मामले को चिकित्सकीय लापरवाही से जुड़ा बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। वहीं विधायक प्रतिनिधि मिनटी वर्मा ने चेतावनी दी कि यदि 24 घंटे के भीतर दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई तो संबंधित क्लीनिक के सामने धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

जांच में इन बिंदुओं पर रहेगा फोकस

- बच्चे की मौत मेदिनीनगर पहुंचने से पहले हुई या अस्पताल में उपचार के दौरान।
- रविवार रात और सोमवार सुबह बच्चे को कौन-कौन सी दवाएं, इंजेक्शन और सलाइन दी गई।
- डॉक्टर की अनुपस्थिति में स्टाफ ने किसके निर्देश पर उपचार किया।
- क्या बच्चे को समय रहते उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया जाना चाहिए था।
- उपचार से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, प्रिस्क्रिप्शन और मेडिकल रिकॉर्ड क्या बताते हैं।
- स्वास्थ्य विभाग के नियमों के अनुरूप क्लीनिक में चिकित्सा सेवाएं दी जा रही थीं या नहीं।

फिलहाल परिजनों और क्लीनिक संचालक के दावे अलग-अलग हैं। मामले की वास्तविक स्थिति और किसी प्रकार की चिकित्सकीय लापरवाही हुई या नहीं, इसका स्पष्ट निष्कर्ष प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा।

माता पूजा का हुआ विसर्जन

चक्रधरपुर: 12 जुलाई से आयोजित माता के विभिन्न स्वरूपों की पूजा अर्चना आकर्षण का केंद्र रहीं। माता पूजा में मुख्य आयोजनकर्ता शिवम गुप्ता उर्फ बंटी, नवनीत शर्मा के साथ- साथ अन्य लोगों का भी सक्रिय योगदान रहा । 12 जुलाई शुरू हुआ माता पूजा 14 जुलाई को विसर्जन के साथ समाप्त हो गया। विसर्जन के दिन मां की प्रतिमा को विभिन्न क्षेत्रों में घुमाया गया । उन मार्गों को सजाया भी गया था। विसर्जन में काफी संख्या में श्रद्धालु और भक्तजन शामिल हुए और माता से सबों के लिए सुख समृद्धि, खुशहाली और अगले बरस जल्दी आने की प्रार्थना की।

पांकी में महिला ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनी नगर /पलामू : जिला अंतर्गत पांकी पीपराटांड़ थाना क्षेत्र के बहेटा गांव निवासी सतीफ अंसारी की पत्नी रुकेजा बीबी ने बीती रात मानसिक तनाव में आकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर उमड़ पड़ी।

इसके बाद ग्रामीणों द्वारा इस घटना की जानकारी पीपराटांड़ थाना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों से जानकारी लेने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

घटना के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। इस संबंध में पीपराटांड़ थाना प्रभारी निलेश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मामले का खुलासा हो पाएगा।

पूर्व मंत्री मन्नान मल्लिक को राजकीय सम्मान के साथ किया जायेगा सुपुर्द-ए-खाक

धनबाद : झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मन्नान मल्लिक के निधन से धनबाद समेत पूरे राज्य में शोक की लहर है। मंगलवार देर शाम उनका पार्थिव शरीर रांची से धनबाद के हाउसिंग कॉलोनी स्थित आवास लाया गया, जहां अंतिम दर्शन और श्रद्धांजलि देने के लिए नेताओं, जनप्रतिनिधियों, कार्यकताओं व आम लोगों का तांता लगा रहा। बुधवार को उन्हें शमशेर नगर स्थित कब्रिस्तान में पूरे राजकीय सम्मान के साथ सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा।

83 वर्षीय मन्नान मल्लिक का मंगलवार सुबह रांची के पल्स अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ थे। उनके निधन की खबर मिलते ही कांग्रेस सहित विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों में शोक की लहर दौड़ गई।

मंगलवार देर शाम जैसे ही उनका पार्थिव शरीर हाउसिंग कॉलोनी स्थित आवास पहुंचा श्रद्धांजलि देने वालों की भीड़ उमड़ पड़ी। कांग्रेस नेताओं, कार्यकताओं और आम नागरिकों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

बुधवार को निरसा विधायक अरूप चटर्जी, धनबाद सांसद ढुल्लू महतो, पूर्व विधायक आनंद महतो, कालीचरण महतो, फूलचंद मंडल सहित कई जनप्रतिनिधियों व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने मन्नान मल्लिक के राजनीतिक और सामाजिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका निधन धनबाद और झारखंड की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है।

झारखंड आंदोलनकारी सह आजसू नेता दामू बानरा का निधन

संवाददाता

चाईबासा: झारखण्ड आंदोलनकारी सह आजसू नेता दामू बानरा का मंगलवार को निधन हो गया। खुटपानी प्रखंड के गढ़ा राजा बासा गांव में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। उनका इलाज सदर अस्पताल चाईबासा में चल रहा था।

उनके निधन पर झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला प्रवक्ता बुधराम लागुरी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दामू बानरा का निधन झारखण्ड आंदोलन और सामाजिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। वे अपने पूरे जीवन में झारखण्ड राज्य के निर्माण, आदिवासी-मूलवासी समाज के अधिकारों तथा जनहित के मुद्दों के लिए निरंतर संघर्ष किया।

बुधराम लागुरी ने कहा कि दामू बानरा एक सरल, संघर्षशील और जनप्रिय नेता थे। राजनीतिक विचारधारा अलग होने के बावजूद उन्होंने हमेशा सामाजिक एकता, आपसी भाईचारे और जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्त्रोत बना रहेगा।

उन्होंने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा परिजनों को इस कठिन समय में धैर्य एवं संबल प्रदान करने की प्रार्थना की। उनके आदर्श, संघर्ष और समाज के प्रति समर्पण की भावना सदैव लोगों को प्रेरित करती रहेगी। उन्होंने दिवंगत नेता को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी।

दाखिल-खारिज में लापरवाही बर्दाश्त नहीं, गड़बड़ी मिली तो सीओ पर होगी कार्रवाई: आयुक्त

धनबाद : दो दिवसीय दौरे पर धनबाद पहुंचे उत्तरी छोटानागपुर के आयुक्त विजय कुमार गुप्ता ने मंगलवार को गोविंदपुर अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान अपर समाहर्ता प्रदीप कुमार शुक्ला, गोविंदपुर सीओ व बीडीओ समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

आयुक्त ने राजस्व संग्रहण, न्यायालयों में लंबित मामलों व एसआईआर आभियान की प्रगति की समीक्षा की। कहा कि आम जनता के दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के मामलों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। लंबित सभी मामलों का तय समय के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करें। कहा कि यदि म्यूटेशन में लापरवाही या गड़बड़ी सामने आती है, तो संबंधित सीओ के खिलाभ कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में स्टेशन मास्टर से दुर्व्यवहार चक्रधरपुर रेल मंडल के मास्टरों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध

चक्रधरपुर: उत्तर प्रदेश के आगरा रेलवे स्टेशन पर 12 जुलाई को स्टेशन मास्टर के साथ आरपीएफ जवानों द्वारा कथित मारपीट और दुर्व्यवहार की घटना के विरोध में मंगलवार को ऑल इंडिया स्टेशन मास्टर एसोसिएशन के आह्वान पर चक्रधरपुर रेल मंडल के स्टेशन मास्टरों ने काली पट्टी (काला बिल्ला) लगाकर ड्यूटी की। एसोसिएशन ने घटना की निंदा करते हुए इसमें शामिल आरपीएफ जवानों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा उनकी बर्खास्तगी की मांग की। इसी क्रम में एसोसिएशन के लगभग 20 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) तरुण हुरिया से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (सीनियर डीओएम) मनीष कुमार पाठक से भी मिलकर घटना की जानकारी दी और दोषी आरपीएफ जवानों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि ड्यूटी के दौरान स्टेशन मास्टर के साथ हिंसक व्यवहार न केवल रेलवे कर्मचारियों की गरिमा के खिलाफ है, बल्कि इससे कार्यस्थल की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल उठते हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई होने तक एसोसिएशन इस मुद्दे को उठाता रहेगा। ज्ञापन सौंपने वालों में आद्रा के स्टेशन मास्टर अभिषेक कुमार, के कि। सिंह, एसएससीकेपी के पी। श्रीनिवास, बीएन जमुदा, जे सोय, राजेश कुमार, अभय चौधरी, दिलीप सरकार और पल्लव कुमार सहित अन्य सदस्य शामिल थे।

पिता और बच्चों के रिश्ते को नई प्रस्तुति में दिखाया हीरो मोटोकॉर्प ने

रांची: हीरो मोटोकॉर्प ने अपने स्कूटर हीरो डेस्टिनी के लिए हीरो का स्कूटर, स्कूटर का हीरो शीर्षक से नया अभियान शुरू किया है। इसमें एक बच्ची की कल्पनाओं के माध्यम से पिता और बच्चों के भावनात्मक रिश्ते को प्रस्तुत किया गया है। हीरो मोटोकॉर्प के मार्केटिंग प्रमुख आशीष मिधा ने कहा कि यह पहल परिवारों के रोजमर्रा के अनकहे भावनात्मक पलों को सामने लाती है। वहीं ओमनीकॉम के चेयरमैन प्रसून जोशी ने कहा कि हर बच्चा अपने पिता को पहला सुपरहीरो मानता है। कंपनी के अनुसार हीरो डेस्टिनी को बेहतर माइलेज, मजबूत मेटल बॉडी और पारिवारिक उपयोग को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

नुवोको विस्टास ने पहली तिमाही में दर्ज की मुनाफे और कारोबार में बढ़ोतरी

रांची: नुवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में कारोबार और मुनाफे में वृद्धि दर्ज की है। कंपनी की सीमेंट बिक्री 5.3 मिलियन टन रही, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत अधिक है।

नगर परिषद में मनाया गया 'नमस्ते दिवस' सफाई कर्मियों को वितरित की गई पीपीई किट

संवाददाता

चक्रधरपुर: नगर परिषद कार्यालय में मंगलवार को 'नमस्ते दिवस' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उराँव ने सफाई कर्मियों के बीच पीपीई किट का वितरण किया और उनके सुरक्षित कार्य वातावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में कार्यपालक पदाधिकारी ने नमस्ते योजना की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि योजना का मुख्य उद्देश्य सीवर एवं सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं और मौतों को पूरी तरह समाप्त करना, खतरनाक सफाई कार्यों का मशीनीकरण करना तथा सफाई कर्मियों को मानव मल के सीधे संपर्क से बचाना है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सफाई कर्मियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा अब कूड़ा बीनने वाले श्रमिकों को भी योजना में शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत सफाई कर्मियों को निःशुल्क पीपीई किट, सुरक्षा उपकरण, कौशल विकास प्रशिक्षण, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा, मशीनों की खरीद पर सब्सिडी एवं रियायती ऋण जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही जो श्रमिक वैकल्पिक रोजगार अपनाना चाहते हैं, उन्हें स्वरोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। कार्यपालक पदाधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक या उसका परिवार सीवर सफाई, सेप्टिक टैंक सफाई, हाथ से मैला ढोने अथवा कचरा प्रबंधन कार्य से जुड़ा होना चाहिए तथा शहरी स्थानीय निकाय के डेटाबेस में पंजीकृत होना आवश्यक है। आवेदन के लिए आधार या पैन कार्ड, निवास प्रमाण पत्र, कार्य प्रमाण पत्र, बैंक खाता विवरण और पासपोर्ट आकार के फोटो जैसे दस्तावेज आवश्यक हैं। कार्यक्रम में नगर परिषद के पदाधिकारी, कर्मचारी एवं सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

दो निजी स्कूल के छात्रों की आपस में लड़ाई, एक स्टूडेंट पर जानलेवा हमला

संवाददाता

धनबाद: जिले के कतरास स्थित निजी स्कूल के बाहर मारपीट और हमला जैसी स्थिति देखी गयी। जहां कुछ लड़कों ने एक छात्र पर हमला करने की बात सामने आई। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

मंगलवार को दिनदहाड़े एक इंटर के छात्र (निवासी रामकनाली ओपी क्षेत्र) पर तीन अज्ञात युवकों ने कथित रूप से जानलेवा हमला कर दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घायल छात्र को तत्काल स्थानीय नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

इसकी सूचना मिलने पर तोपचांची और कतरास थाना की पुलिस अस्पताल पहुंच घायल छात्र से मामले की जानकारी ली। एक छात्र तोपचांची थाना क्षेत्र के निजी स्कूल में पढ़ता है, जबकि दूसरा छात्र समूह कतरास थाना क्षेत्र के स्कूल में पढ़ाई करता है। दोनों छात्र गुट की मारपीट कतरास थाना क्षेत्र में हुई है।

मारपीट में घायल छात्र ने कहा कि तीन युवक बुलेट मोटरसाइकिल से आए थे। इनमें से एक स्थानीय निजी स्कूल की ड्रेस पहने हुए था। छात्र का दावा है कि हमलावर निजी स्कूल के केमिस्ट्री शिक्षक का नाम लेते हुए उसे जबरन झाड़ियों की ओर ले जाने लगे। विरोध करने पर तीनों ने उसके साथ बेरहमी से मारपीट की। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसके सिर पर डंडे से वार किया और उसके बैग में केरोसिन तेल डाल दिया, जिससे बैग में रखी किताबें जल गईं।

इस घटना की गंभीरता को देखते हुए कतरास थाना और तोपचांची थाना की पुलिस अस्पताल पहुंची तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं से जांच कर रही है और हमलावरों की पहचान व घटना के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

घायल छात्र के पिता ने कहा कि गर्मी छुट्टी खत्म होने के बाद से बेटा स्कूल नहीं जा रहा था, आज गया तो उसपर हमला कर दिया गया। बेटे के मोबाइल में धमकी भरे मैसेज अन्य लड़के द्वारा भेजा जा रहा था। केमेस्ट्री के ट्यूशन टीचर के पढ़ाने को लेकर शिकायत बेटे ने किया था। स्कूल प्रबंधन से कोई शिकायत नहीं है। बेटे पर हमला स्कूल से बाहर किया गया है। घटना क्यों और किन कारणों से हुई, इसकी जानकारी उन्हें नहीं है।

वहीं इस पूरे मामले को लेकर कतरास थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने कहा कि दो अलग अलग निजी स्कूल में पढ़ने वाले छात्रों में मारपीट की घटना हुई है। मारपीट में घायल छात्र से पूछताछ की गयी है। कतरास थाना में मामला दर्ज किया जाएगा। फिलहाल घायल छात्र की स्थिति सामान्य है।